Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 241
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 07 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

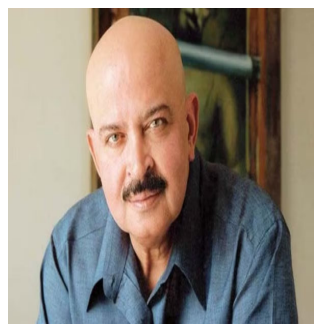

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 फडणवीस का दो टूकः 'नया भारत' अपनी... | 4 उम्मीदों की चिप ने दिए आत्मगौरव और... | 7 रोहित शर्मा की विनम्रता ने जीता दिल, फैन्स ...

संक्षिप्त न्यूज

आर्मी चीफ द्विवेदी का बयान
'देश की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों का काम नहीं, ये सभी की जिम्मेदारी'

नई दिल्ली। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक बयान में कहा है कि देश की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों का काम नहीं है बल्कि ये हर नागरिक की जिम्मेदारी है। आर्मी चीफ ने कहा 'नागरिक ही सैनिकों को सबसे पहले सूचना देते हैं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 72,000 से ज्यादा एनसीसी जवान थे, जिन्होंने ऑपरेशन के दौरान सभी जरूरी सहायता प्रणालियों का नेतृत्व किया और नागरिक की सुरक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया। यूक्रेन ने दुनिया को दिखाया है कि जब आम नागरिक अपने देश की रक्षा की जिम्मेदारी लेते हैं तो क्या होता है। उनकी भूमिका खुफिया जानकारी जुटाने, रसद और प्रतिरोध में साबित हुई है। इससे पता चलता है कि देश की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों का काम नहीं है, बल्कि ये सभी की जिम्मेदारी है।'

शुक्रवार को गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान ने अलग-अलग सबक सीखे। भारत ने जहां लंबी दूरी तक सटीकता से मार करने वाले हथियार और हमले के बाद नुकसान का आकलन करने की क्षमता पर ध्यान दिया, वहीं पाकिस्तान ने संभवतः अपनी एयर डिफेंस प्रणाली को मजबूत करने पर फोकस किया।

राजनीतिक नेतृत्व ने ऑपरेशन सिंदूर में दी थी पूरी आजादी

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सीडीएस ने कहा कि जब राजनीतिक नेतृत्व से चर्चा हुई तो यह साफ हो गया कि सिर्फ ड्रोन और लोटरिंग म्यूनिशन (घूमते हुए लक्ष्य तलाशने वाले हथियार) से लक्ष्य हासिल नहीं होगा। बहावलपुर और मुरिदके में आतंकी ठिकाने तबाह करने के लिए एयर पावर का इस्तेमाल जरूरी था।

नई दिल्ली में जुटेंगे भाजपा सांसद

पीएम मोदी को जीएसटी सुधारों के लिए किया जाएगा सम्मानित

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी अपनी तैयारियों में जुट गई है। इसी क्रम में कल राजधानी दिल्ली में भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संसद परिसर में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में भाजपा सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव के संदर्भ में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी बताया है कि भाजपा सांसदों की कार्यशाला बैठक में जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित करने की योजना है।

सूत्रों ने इस कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसकी योजना तो जीएसटी में सुधार होने से कई दिन पहले ही बन गई थी, लेकिन अब मोदी भी इसमें भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि नए जीएसटी स्लैब की घोषणा के लिए सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री का सम्मान किए जाने की संभावना है। बता दें कि जीएसटी में हुए सुधार से लोगों पर कर का बोझ कम होगा और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। भाजपा और उसके सहयोगी दलों को उम्मीद है कि इस कदम से उन्हें नवंबर में होने वाले बिहार चुनावों में बढ़त मिलेगी। दो दिनों तक चलने वाली यह कार्यशाला में कई सत्रों का आयोजित की जाएगी। इन सत्रों में पार्टी के इतिहास और विकास पर चर्चा, और सांसदों के लिए कार्यकुशलता बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा होगी।

पीएम मोदी सांसदों को देंगे डिनर

वहीं, प्रधानमंत्री मोदी उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले, सोमवार को भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों को डिनर देंगे। यह डिनर उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार के पक्ष में सांसदों का समर्थन जुटाने के रूप में देखा जा रहा है।

बता दें कि नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में भाजपा नीत एनडीए के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन और विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात, एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के बाद पहुंचे राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की।

यह मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में जापान और चीन की यात्रा से लौटने के बाद हुई है। पीएम मोदी ने 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक चीन के तिआनजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की 25वीं बैठक में हिस्सा लिया था। इस शिखर सम्मेलन में एससीओ की विकास रणनीति, वैश्विक शासन सुधार, आतंकवाद-निरोध, शांति और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय सहयोग तथा सतत विकास जैसे अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में पहलगाम आतंकी हमले को उठाया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि एससीओ को आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों को स्पष्ट रूप से और सर्वसम्मति से खारिज करना चाहिए।

बिहार के बाद पूरे देश में होगा एसआईआर

तैयारियों पर चर्चा लिए चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को बुलाई अहम बैठक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की नियमित बैठक बुलाई है। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में चुनाव से जुड़े सभी अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी। मतदाता सूची की समीक्षा, आचार संहिता का पालन, तकनीकी सुधार और पारदर्शिता जैसे विषय एजेंडे में शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक का मकसद आगामी चुनावों को सुचारू और विश्वसनीय ढंग से आयोजित करना है।

सूत्रों ने बताया कि बिहार के बाद अब देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) लागू करने की तैयारी है। इस प्रक्रिया की पात्रता तिथि एक जनवरी 2026 रखी गई है। चुनाव आयोग ने 24 जून को आदेश जारी कर एसआईआर की घोषणा की थी। हालांकि, इसे पहले सिर्फ बिहार में लागू किया गया था। अब आयोग ने तय किया है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस पर काम आगे बढ़ेगा।

सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारी करेंगे प्रस्तुति

बैठक में सभी सीईओ को अपने-अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति पर प्रस्तुति देनी होगी। इसमें मतदाताओं की संख्या, पिछली गहन समीक्षा की जानकारी और संशोधन की मौजूदा स्थिति शामिल होगी। चुनाव आयोग के आदेश के बाद ही अंतिम समयसीमा तय होगी। बैठक दिल्ली के द्वारका स्थित चुनाव आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में आयोजित होगी।

दो दशक बाद गहन संशोधन

चुनाव आयोग ने कहा था कि 2003 के बाद से गहन संशोधन (इंटेंसिव रिवीजन) नहीं हुआ है। शहरीकरण और पलायन की वजह से मतदाता सूची में डुप्लीकेट नामों की आशंका बढ़ गई है। इसलिए हर व्यक्ति के नामांकन से पहले गहन सत्यापन जरूरी है। सामान्यतः हर साल मतदाता सूची में संशोधन होता है, लेकिन इस बार पूरी सूची नए सिरे से तैयार की जा रही है।

बिहार मॉडल बनेगा आधार

बिहार में इस प्रक्रिया को पहले ही लागू किया गया था। वहां नए एन्यूमरेशन फॉर्म और 11 दस्तावेजों की सूची जारी की गई थी। सभी मौजूदा मतदाताओं को फॉर्म भरना पड़ा और 2003 के बाद जुड़े नामों के लिए पात्रता दस्तावेज देना अनिवार्य था। अब यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए आधार बनेगा।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार डोंग में सन राइज फेस्टिवल का आयोजन करेगी : खांडू

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने देश के सबसे पूर्वी गांव अंजॉ जिले के डोंग में शनिवार को पांच दिवसीय सन राइज फेस्टिवल शुरू करने की घोषणा की। खांडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, " राज्य के अंजॉ जिले के वालोंग में उतरा, और डोंग की ओर बढ़ा, वह स्थान जहां सूर्य की पहली किरण भारतीय धरती को छूती है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव 29 दिसंबर से दो जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव आगंतुकों को उगते सूरज की भूमि में नए साल की पहली सुबह का स्वागत करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी। खांडू ने एक पोस्ट में कहा, "पर्यटन को बढ़ावा देने और साहसिक लोगों तथा प्रकृति प्रेमियों के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इस वर्ष से हम डोंग में पांच दिवसीय सन राइज फेस्टिवल का आयोजन करेंगे।

AIADMK में एकता की बात करना सेंगोट्टैयन को पड़ा भारी, EPS ने 7 नेताओं को किया बर्खास्त

एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने शनिवार को वरिष्ठ नेता के ए सेंगोट्टैयन को पार्टी के प्रमुख पदों से हटा दिया। इससे एक दिन पहले सेंगोट्टैयन ने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को वापस पार्टी में शामिल करने के लिए दस दिन का अल्टीमेटम दिया था। पूर्व मंत्री और पार्टी की दिवंगत सुप्रीमो जे जयललिता के लंबे समय से वफादार रहे सेनगोट्टैयन को इरोड ग्रामीण पश्चिम जिला इकाई के सचिव और एआईएडीएमके के संगठन सचिव के पद से मुक्त कर दिया गया।

नेतृत्व ने क्षेत्र में सेंगोट्टैयन के समर्थकों पर भी कार्रवाई की। उनके साथ जुड़े छह जिला स्तरीय पदाधिकारियों से उनकी जिम्मेदारियां छीन ली गईं। इनमें थम्बी उर्फ के ए सुब्रमण्यन, नांबियूर उत्तर संघ सचिव; एम ईश्वरमूर्ति उर्फ चेन्नई मणि, नांबियूर दक्षिण संघ सचिव; एन डी कुरुंजीनाथन, गोबिचेट्टीपलायम पश्चिम संघ सचिव; एम देवराज, एंथियूर उत्तर संघ सचिव; एसएस रमेश, अथानी नगर पंचायत सचिव; और वेलु उर्फ टी मरुधामुथु, अथानी नगर पंचायत उप सचिव। इसके अतिरिक्त, पार्टी के इरोड क्षेत्रीय आईटी विंग के उप सचिव के एस मोहन कुमार को भी हटा दिया गया।

तमिलनाडु की दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने शुक्रवार को कहा कि अन्नाद्रमुक नेता केए सेंगोट्टैयन का पार्टी में एकता का आह्वान अब हर एक पार्टी कार्यकर्ता की आवाज़ है।

बिहार चुनाव से पहले तेजस्वी का एनडीए पर सीधा हमलाः

अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर, विकास ठप

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार में विकास की कमी को लेकर एनडीए के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर निशाना साधा। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ गया है। बिहार का यही हाल है। शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य सेवा की हालत देखिए। प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश के मामले में बिहार सबसे खराब स्थिति में है। किसानों की आय के मामले में बिहार सबसे निचले पायदान पर है। यहाँ न कोई उद्योग है, न कोई व्यवसाय।

तेजस्वी यादव की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राज्य में साल के उत्तरार्ध में होने वाले विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने कल बिहार बंद के विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने बिहार में दुनिया भर की ठगी को बढ़ावा दिया। एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में, यादव ने कहा, 'बिहार बंद के लिए, वे रैली की तरह ही लोगों को काम पर रख सकते थे। जैसे वे रैलियों में पुलिस और प्रशासन पर दबाव डालते हैं, वैसे ही बंद के लिए, वे खुद पुलिस से कह सकते थे कि ट्रैफ़िक रोक दिया जाए। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी, भाजपा ने कल बिहार में दुनिया भर की गुंडागर्दी का परचम लहरा दिया।'

तेजस्वी ने आगे कहा कि भाजपा के गुंडों ने खुलेआम महिलाओं और शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुज़ुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ बदसलूकी की, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस रोकी और शहीदों के परिवारों को पीटा। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन फिर भी ये निकम्मे लोग एक वार्ड तो दूर, एक पंचायत भी बंद नहीं करा पाए! शर्म आनी चाहिए!' तेजस्वी यादव ने कहा कि सिर्फ़ ट्विटर पर ही नहीं, हम हर जगह कहते हैं कि हम बिहार का हाल देख रहे हैं। 20 साल तक बिहार पर राज करने वालों ने क्या किया?... शिक्षा, कमाई, सिंचाई, स्वास्थ्य सेवा, प्रति व्यक्ति आय, निवेश की स्थिति देखिए... इन लोगों ने पहले इस बारे में बात क्यों नहीं की? अब जब चुनाव आ गया है और तेजस्वी इस बारे में बात कर रहे हैं, तो वे ऐसा कर रहे हैं... ये लोग किसे बेवकूफ़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं?'

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर के अनंतनाग में बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारी वर्षा के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए शनिवार को अनंतनाग जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके साथ कैबिनेट सहयोगी, सलाहकार नासिर असलम वानी, कई विधायक, पुलिस और नागरिक प्रशासन के अधिकारी भी शामिल थे। इनमें अनंतनाग के उपायुक्त सैयद फारुखुद्दीन भी थे।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का प्रत्यक्ष जायजा लिया तथा उन्हें बाढ़ के बाद किए जाने वाले उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रभावित परिवारों के साथ बातचीत के दौरान अब्दुल्ला ने निवासियों को आश्वासन दिया कि प्रभावित लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने जिला प्रशासन को पुनर्वास और बहाली के प्रयासों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया तथा यह सुनिश्चित करने को कहा कि आवश्यक आपूर्ति प्रभावित क्षेत्रों तक शीघ्र पहुंच जाए।

जीएसटी सुधारों से अब जीवन होगा आसान, अश्विनी वैष्णव ने बताया कैसे कम हुआ टैक्स

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संवाददाताओं को बताया कि हाल ही में शुरू किए गए अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर काम लगभग डेढ़ साल पहले शुरू हुआ था और इसका किसी भी बाहरी कारक से कोई लेना-देना नहीं है। उनसे पूछा गया था कि क्या जीएसटी सुधारों का भारतीय वस्तुओं पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ से कोई सीधा संबंध है। वैष्णव ने कहा कि जीएसटी सुधारों की तैयारी लगभग डेढ़ साल पहले...अमेरिकी चुनावों से पहले शुरू हो गई थी। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के स्पष्ट लक्ष्य के तहत की गई थी। यह जीएसटी सुधार देश की परिवर्तन यात्रा शुरू करेगा।

वैष्णव ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि डेढ़ साल से चल रही इस जीएसटी सुधार प्रक्रिया को अब अंतिम रूप दे दिया गया है...हर कदम पर, प्रधानमंत्री मोदी ने हमारा मार्गदर्शन किया है...इस अगली पीढ़ी के सुधार में बाहरी कारकों की कोई भूमिका नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने जीएसटी से पहले के दौर के उदाहरण दिए, जब माल से लदे ट्रकों को ज़रूरी मंज़ूरी के लिए राज्य की सीमाओं पर लंबी कतारें लगानी पड़ती थीं। मंत्री ने कहा कि अब यह प्रक्रिया सहज है।

उन्होंने कहा कि पहले, राज्य की सीमाओं पर ट्रकों की लंबी कतारें लगती थीं। अब, ई-वे बिल कुछ ही सेकंड में बन जाते हैं। जीएसटी 2017 में लागू किया गया था। वैष्णव ने कहा कि 2025-26 के बजट में दी गई आयकर राहत और जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से भारत की अर्थव्यवस्था को एक नए स्तर पर पहुँचाने की उम्मीद है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 2014 से पहले, कराधान प्रणाली बहुत जटिल थी और वस्तुओं पर कई स्तरों पर कर लगाया जाता था। जीएसटी ने इसे सरल बना दिया है। जीएसटी सुधारों में यह युक्तिकरण और सरलीकरण लोगों के जीवन को आसान बनाएगा। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों के तहत सभी दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी कम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जो वादा किया था, वह पूरा हो गया है।

22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन, जीएसटी दरों में सभी बदलाव लागू हो जाएँगे। वैष्णव ने कहा कि यह जीएसटी सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को और आगे बढ़ाएगा। विशुद्ध आर्थिक दृष्टिकोण से, हमारी जीडीपी वर्तमान में 3.30 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से 2.02 लाख करोड़ रुपये हमारी खपत है। अगर हमारी खपत 10इ भी बढ़ जाती है, तो हमारे पास 20 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त खपत होगी, जो जीडीपी में योगदान देगी,' उन्होंने एक अनुमानित गणना दी कि यह जीएसटी सुधार देश की खपत को किस हद तक बढ़ा सकता है।

डेनमार्क के राजदूत ने की तेलंगाना के मुख्यमंत्री से मुलाकात, शिक्षा-हरित ऊर्जा में सहयोग पर चर्चा

हैदराबाद। भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन ने यहां तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और जलवायु स्थिरता, शिक्षा, हरित ऊर्जा और किसानों तथा महिलाओं के सशक्तीकरण सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की संभावना पर चर्चा की। रेड्डी ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि क्रिस्टेंसन ने शुक्रवार शाम यहां मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्होंने तथा रॉयल डेनिश दूतावास ने राज्य सरकार के 'तेलंगाना राइजिंग 2047' में भागीदार बनने के लिए बहुत उत्सुकता दिखाई है। मुख्यमंत्री ने कहा, " भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन के साथ अद्भुत बैठक हुई और डेनमार्क-तेलंगाना साझेदारी को मजबूत करने और इसे आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

लाल किला परिसर में धार्मिक समारोह से करोड़ों का स्वर्ण कलश चोरी, सुरक्षा पर उठे सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला परिसर में एक जैन धार्मिक आयोजन से एक बड़ी सुरक्षा चूक के तहत, दो स्वर्ण कलश और लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के अन्य कीमती सामान चोरी हो गए। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि चोर जैन पुजारी के वेश में आया और कीमती सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एफआईआर में कहा गया है कि चोरी की गई वस्तुओं में एक स्वर्ण कलश और लगभग 760 ग्राम वजन का एक सोने का नारियल, साथ ही हीरे, पन्ने और माणिक से जड़ी 115 ग्राम की एक छोटी सोने की झारी शामिल है। ये वस्तुएं जैन अनुष्ठानों में उपयोग की जाती हैं, इसलिए इन्हें पवित्र माना जाता है। ये सामान व्यवसायी सुधीर जैन के थे, जो रोज़ाना अनुष्ठान के लिए ये कीमती सामान लाते थे।

बक्सर को मिली 603 करोड़ की सौगात, सीएम नीतीश ने 19 योजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बक्सर जिला के राजपुर प्रखंड परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल से बक्सर जिला अंतर्गत प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं से संबंधित 603.32 करोड़ रुपये की लागत से 19 योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत 181 करोड़ 26 लाख रुपये की लागत से बक्सर-कोईलवर गंगा तटबंध (किलोमीटर 0.00 से 51.72) का सुदृढ़ीकरण, कालीकरण तथा सुरक्षात्मक कार्य, 51 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से भोजपुर-सिमरी पथ के 0.00 से 9.30 किलोमीटर तक चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य, 41 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से बक्सर गोलंबर से ज्योति चौक पथ भाया बस स्टैंड का चौड़ीकरण, 36 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बड़ी मस्जिद से सेंट्रल जेल तक के पथ का चौड़ीकरण, 13 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां संगीत कॉलेज, 98.25 करोड़ रूपये लागत की दो लेन धनसोई बाईपास पथ (किलोमीटर 0 से 4.50)

के निर्माण कार्य एवं 32 करोड़ 66 लाख रुपये की लागत से स्वास्थ्य केंद्र, भवन, बिजली एवं विकास संबंधी कुल 11 योजनाओं का शिलान्यास तथा 147 करोड़ रुपये की लागत से स्वास्थ्य केंद्र, भवन, बिजली एवं विकास संबंधी कुल 12 योजनाओं की उद्घाटन शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राजपुर प्रखंड परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित पेंशनधारी लाभुकों, जीविका दीदियों एवं अन्य लाभुकों के साथ संवाद किया। वहां उपस्थित लोगों ने ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा महिलाओं की पेंशन राशि को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया है। इससे हम सभी लोग खुश हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली फ्री करने से लोगों को बहुत फायदा हो रहा है। इससे बचत होनेवाली धनराशि का उपयोग अन्य विकास कार्यों में कर रहे हैं। जीविका दीदियों ने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से बक्सर जिले में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। महिलाओं के उत्थान तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जीविका दीदियों ने प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया।

ममता बहनों ने प्रोत्साहन राशि में दो गुणा बढ़ोतरी किये जाने पर तथा आशा कार्यकर्ताओं ने प्रोत्साहन राशि में 3 गुणा वृद्धि किये जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कलाकारों ने मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना के तहत 3 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन की राशि दिये जाने तथा गृह रक्षकों ने दैनिक भत्ता में वृद्धि किये जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। जीविका दीदियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी बुलंदी के साथ रहिए और आगे बढ़िए। सरकार आपलोगों की हरसंभव मदद कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी आप सभी जीविका दीदियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

मुंबई में 34 मानव बम लगा दिए, 14 पाक आतंकी घुस आए हैं.. मुंबई को दहलाने की धमकी देने वाला शख्स निकला ज्योतिषी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक व्यक्ति को मुंबई में बम की धमकी भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसने मुंबई में कई मानव बम रखकर पूरे शहर को 'दहलाने' की धमकी दी थी। पुलिस की एफआईआर के अनुसार, मुंबई में आतंकी धमकी भरे कॉल करने के पीछे आरोपी की अपने दोस्त से पुरानी दुश्मनी है। पुलिस ने बताया कि 51 वर्षीय अश्विनी कुमार नामक व्यक्ति बिहार के पाटलिपुत्र का रहने वाला है। वह पिछले पाँच सालों से नोएडा में रह रहा था और पेशे से ज्योतिषी था। पुलिस ने उस व्यक्ति का फ़ोन और सिम कार्ड ज़ब्त कर लिया है और उसे नोएडा से मुंबई लाया जा रहा है। उनकी गिरफ़्तारी मुंबई ट्रैफ़िक पुलिस के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा संदेश मिलने के कुछ ही घंटों बाद हुई, जिसमें कहा गया था कि शहर भर में 34 'मानव बम' रखे गए हैं और 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस आए हैं।

मुंबई पुलिस ने कहा, 'खुद को 'लश्कर-ए-जिहादी' बताने वाले इस संगठन का कहना है कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस आए हैं। धमकी भरे संदेश में आगे कहा गया है कि विस्फोट में 400 किलोग्राम आरडीएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। आतंकी धमकी का समय भी चिंताजनक था, क्योंकि यह मुंबई में गणेश विसर्जन समारोह से एक दिन पहले आया था। धमकी भरे संदेश के बाद शुक्रवार को शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी।

बम की धमकी के पीछे दोस्त से विवाद

अश्विनी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के अनुसार, उसने अपने दोस्त फिरोज को 'फँसाने' के लिए मुंबई ट्रैफिक पुलिस को आतंकी धमकी का संदेश भेजा था। 2023 में पटना के फुलवारी शरीफ में फिरोज द्वारा दर्ज कराए गए एक मामले में गिरफ्तारी के बाद, अश्विनी को तीन महीने जेल में बिताने पड़े। इसका बदला लेने के लिए, अश्विनी ने फिरोज के नाम से मुंबई में एक धमकी भरा व्हाट्सएप संदेश भेजा। अश्विनी के पास से सात मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड, छह मेमोरी कार्ड होल्डर, एक बाहरी सिम स्लॉट, दो डिजिटल कार्ड, चार सिम कार्ड होल्डर और एक मेमोरी कार्ड होल्डर बरामद किया गया।

पुलिस ने ड्रग बनाने वाले सिंडिकेट किया पर्दाफाश, 12000 करोड़ रुपये का मेफेड्रोन किया जब्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले की मीरा रोड पुलिस ने शनिवार को एक बड़े ड्रग निर्माण सिंडिकेट का पर्दाफाश किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने करीब 12000 करोड़ रुपये मूल्य का एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग जब्त किया।

अधिकारियों के अनुसार, तलाशी के दौरान तेलंगाना के चेरामल्ली इलाके में स्थित फैक्ट्री से करीब 35000 लीटर ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाला केमिकल भी बरामद किया है। जांच से पता चला कि यह फैक्ट्री कई वर्षों से चल रही थी और यहां तैयार ज्यादातर ड्रग्स मुंबई में स्थानीय अपराधियों और एजेंटों के जरिए सप्लाई किए जाते थे।

ड्रग्स का निर्माण एक केमिकल फैक्ट्री की आड़ में गुपचुप तरीके से किया जा रहा था। अनुमान है कि इस फैक्ट्री से अब तक सैकड़ों किलो मेफेड्रोन तैयार कर बाजार में सप्लाई की गई है। गुप्त सूचना के आधार पर मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस और क्राइम ब्रांच ने करीब एक महीने तक निगरानी रखने के बाद 60 से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारे हैं।

पुलिस ने इस मामले में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक बांग्लादेशी महिला फातिमा मुराद शेख उर्फ मोल्लाह (23) भी शामिल है। जिसे पिछले महीने मीरा रोड से 24 लाख रुपये के ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था। इस पूरे सिंडिकेट का मुख्य आरोपी एक आईटी एक्सपर्ट बताया जा रहा है। जिसने रसायनों की अपनी जानकारी का दुरुपयोग कर इस अपराध को अंजाम दिया।

ब्रेक की जगह दबा दिया एक्सिलरेटर, कार ने कई लोगों को कुचला, हादसे का वीडियो वायरल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के भिवंडी शहर के गौरीपाड़ा इलाके से एक हादसे का वीडियो सामने आया है, जहां पर एक लापरवाह कार ड्राइवर की वजह से एक बाइक सवार और राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गए. यह खतरनाक घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई. बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब ड्राइवर ने मोड़ पर ब्रेक लगाने की बजाय गलती से एक्सिलरेटर दबा दिया, जिसके कारण कार का बैलेंस बिगड़ा और हादसा हो गया.

बाइक सवार और राहगीर गंभीर रूप से घायल

यह हादसा भिवंडी के गौरीपाड़ा इलाके में एक व्यस्त सड़क पर हुआ. जानकारी के मुताबिक, कार ड्राइवर तेज स्पीड से कार चला रहा था और उसने मोड़ आने पर ब्रेक लगाने के बजाय एक्सिलरेटर पर जोर दे दिया, जिसके कारण कार तेज स्पीड में अनियंत्रित हो गई और सड़क पर मौजूद एक बाइक सवार और एक पैदल चल रहे राहगीर को जोरदार टक्कर मार दी.

वीडियो में देखा जा सकता है कि हादसा कितना भयावह था और कार ड्राइवर ने कितनी बुरी तरह से बाइक सवार और राहगीर को टक्कर मारी, जिसके कारण उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई और बाइक सवार और राहगीर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए.

मौके पर मौजूद लोग घायलों की मदद की

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद लोग घायलों की मदद करने लगे, लेकिन अभी तक ये साफ नहीं हुआ है कि कार ड्राइवर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है या नहीं. सोशल मीडिया पर भी वीडियो काफी शेयर किया जा रहा है और लोग हादसा देखकर हैरान भी हैं. लोगों ने कार ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है.

बारिश और बम धमकी के बीच मुंबई में गणपति विसर्जन, उमड़ा जनसैलाब, सुरक्षा अलर्ट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम को शुक्रवार को उसके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक बम की धमकी मिली, जिसमें अनंत चतुर्दशी पर हमले की योजना की चेतावनी दी गई थी। मुंबई पुलिस ने कहा कि धमकी भरे संदेश में दावा किया गया था कि शहर भर के वाहनों में कई मानव बम रखे गए हैं। इसमें आरडीएक्स से बड़े विस्फोट की भी चेतावनी दी गई थी। बड़ी धमकी के बीच मुंबई में धूमधाम से किया जा रहा है गणेश विसर्जन।

मुंबई में दस दिवसीय गणपति उत्सव के अंतिम दिन यानि शनिवार को अनंत चतुर्दशी पर भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन के वास्ते श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सड़कों पर उमड़ पड़ी और लोग ढोल-ताशों की थाप पर भक्ति भाव से थिरकते नजर आए। शहर के कुछ हिस्सों में सुबह से ही हल्की से मध्यम बारिश हो रही है, इस बीच विसर्जन के लिए लोग भगवान गणेश की मूर्तियों को लेकर अपने घरों और पंडालों से निकले और देखते ही देखते सड़कें खचाखच भर गईं। जिन सड़कों से यह यात्रा गुजरने की संभावना है, उन पर

रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाई गईं।

मध्य मुंबई में गणपति मंडलों के लिए प्रसिद्ध लालबाग में तेजुकाया, गणेश गली और कई अन्य मंडलों की मूर्तियों के विसर्जन की यात्रा शुरू हुई। गणपति बप्पा मोरया, पुधच्या वर्षी लवकर या के जयकारों के बीच भव्य मूर्तियां पंडालों से ले जाई गईं। प्रसिद्ध लालबागचा राजा की शोभायात्रा अभी शुरू नहीं हुई है, इसकी अंतिम तैयारियां जारी हैं, यह मूर्ति गिरगांव चौपाटी की ओर रवाना होगी। हजारों लोग लालबाग की सड़कों और अन्य प्रमुख यात्रा मार्गों पर अपने देवता को विदाई देने के लिए एकत्रित हुए।

लालबाग स्थित श्रॉफ बिल्डिंग में भीड़ उमड़ पड़ी, जहां गणपति की मूर्तियों पर पारंपरिक रूप से पुष्प वर्षा की जाती है। कई लोग पहले से ही सड़कों के दोनों ओर कतार में खड़े होकर मूर्तियों की एक झलक पाने और उनके दर्शन पाने के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे थे। गिरगांव चौपाटी की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर भी लोग कतार में खड़े रहे, जहां से फोर्ट, गिरगांव, मझगांव, भायखला, दादर, माटुंगा, सायन, चेंबूर और अन्य क्षेत्रों की अधिकांश प्रमुख मूर्तियां विसर्जन के लिए ले जाई जाएंगी।

पुणे में अनंत चतुर्दशी की शुरुआत गणेश मंडल की पहली मनाचा (प्रतिष्ठित और पूजनीय) मूर्ति के विसर्जन के साथ हुई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सुबह ढोल ताशे की ध्वनि के बीच शुरू हुई कस्बा गणपति यात्रा में भाग लिया। पुणे पुलिस ने मंडलों से आग्रह किया था कि वे अपनी यात्रा जल्दी शुरू करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पूरी प्रक्रिया समय पर समाप्त हो और यह अगले दिन तक जारी न रहें।

आईआरसीटीसी सीएसआर से डिजिटल शिक्षा की नई रोशनी

कल्याण रेलवे स्कूल एंड जूनियर कॉलेज (सीबीएसई) को 50 कंप्यूटर और एक बड़ा आरोप प्लांट भेंट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आईआरसीटीसी, सीएसआर की दिशा में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। माननीय रेल मंत्री जी के नेतृत्व एवं चेयरमैन/मेनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में आईआरसीटीसी वैस्ट जोन ने इस परियोजना के तहत करीबन 20 लाख रुपये खर्च कर 50 कंप्यूटर इस सेंट्रल रेलवे जूनियर कालेज कल्याण को दिए हैं। इन आधुनिक कंप्यूटरों की मदद से बच्चे अब Digital Learning और E-Learning की दुनिया से जुड़ सकेंगे। इंटरनेट और नई टेक्नोलॉजी तक उनकी आसान पहुंच होगी, जिससे उन्हें देश-दुनिया के लेटेस्ट एजुकेशन पैटर्न का फायदा मिलेगा।

इसके साथ साथ आयआरसीटीसी ने 10 लाख रुपये की लागत का CSR Fund से एक बड़ा RO प्लांट भी लगाया गया है, जिससे करीब 1300 विद्यार्थियों को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर आईआरसीटीसी के ग्रुप जनरल मैनेजर श्री गौरव झा ने कहा कि आजकल लर्निंग प्रोसेस पूरी

तरह टेक्नोलॉजी बेस्ड होती जा रही है। यह कंप्यूटर लैब बच्चों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। ये सिर्फ मशीनें नहीं, बल्कि इनके जरिए बच्चे अपना उज्ज्वल भविष्य गढ़ेंगे। हम चाहते थे कि बच्चे सिर्फ कंप्यूटर देखे नहीं बल्कि उससे जुड़ी हर तकनीक सीख सकें। डिजिटल लिटरेसी आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

इस प्रोजेक्ट को साकार करने में श्री मनीष सिंह, वरिष्ठ मंडल अधिकारी, मुंबई मण्डल तथा श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव, प्रिंसिपल कल्याण रेलवे स्कूल एवं जूनियर कालेज ने अहम भूमिका निभाई है.

इस प्रोजेक्ट को जमीनी स्तर पर लागू कराने वाले विक्रांत खिसमतराव ने बताया कि कंप्यूटर लैब बनाते समय खास ध्यान रखा गया कि सभी मशीनें अत्याधुनिक हों।

आयआरसीटीसी सीएसआर से शिक्षा और सेहत को नई दिशा

सेंट्रल रेलवे द्वारा संचालित कल्याण रेलवे स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में लगभग 1300 बच्चे पढ़ाई करते हैं। अब इस CSR Project के जरिए उन्हें दोहरी सौगात मिली है - एक तरफ डिजिटल एजुकेशन का नया मंच और दूसरी तरफ साफ-सुथरे पानी की गारंटी। स्थानीय अभिभावकों और शिक्षकों का कहना है कि यह कदम बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा। अब वे आधुनिक शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों से लाभान्वित होंगे।

भविष्य की पीढ़ी के लिए निवेश

IRCTC का यह प्रयास साबित करता है कि कॉर्पोरेट कंपनियां जब अपनी Corporate Social Responsibility (CSR) को गंभीरता से निभाती हैं तो उसका सीधा असर समाज पर दिखाई देता है। खासकर शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र में ऐसे कदम बच्चों के जीवन को नई दिशा दे सकते हैं

मुंबई में गणपति बप्पा को धूम से दी जा रही विदाई, लालबागचा राजा के विसर्जन में उमड़े श्रद्धालु

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अनंत चतुर्दशी के दिन शनिवार (06 सितंबर) को गणपति बप्पा को धूमधाम से विदाई दी जा रही है.

लालबागचा राजा 2025 का भव्य विसर्जन समारोह आयोजित किया जा रहा है. विसर्जन समारोह के दौरान बप्पा को विदाई देने के लिए भक्तों की भारी भीड़ जुटी है. मुंबई की गलियों से लेकर मंदिरों और घाटों तक एक अलग ही रौनक है.

लालबागचा राजा 2025 के भव्य विसर्जन समारोह में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. गिरगांव चौपाटी पर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विसर्जन के लिए हज़ारों श्रद्धालु सड़कों पर कतार में खड़े हैं.

आस्था और विश्वास का प्रतीक हैं लालबागचा राजा

गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक पूरे देश में गणेश उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाए जाने की परंपरा है. मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में इस त्यौहार को और भी खास तरह से मनाया जाता रहा है. लालबागचा राजा मंदिर का

नाम हर किसी की जुबान पर होता है. मुंबई का सबसे अधिक लोकप्रिय सार्वजनिक गणेश मंडल लालबागचा राजा हमेशा से लोगों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है.

मन की मुरादें पूरी करने के लिए आते हैं बप्पा के भक्त

लालबाग परेल क्षेत्र स्थित यह पंडाल हर साल गणेश चतुर्थी के दौरान दुनियाभर से भक्तों का ध्यान अपनी ओर खींचता है. यहां बप्पा के भक्त न सिर्फ दर्शन के लिए, बल्कि मन की मुरादें पूरी करने के लिए एक उम्मीद लेकर दूर-दूर से यहां पधारते हैं. लालबागचा राजा मंडल की स्थापना साल 1934 में हुई थी.

गणेश विसर्जन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

मूर्तियों के विसर्जन के वास्ते श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सड़कों पर उमड़ी है. हजारों की संख्या में लोग ढोल-ताशों की थाप पर पूरे भक्ति भाव के साथ थिरकते नजर आ रहे हैं. शहर के कुछ हिस्सों में सुबह से ही हल्की से मध्यम बारिश हो रही है, इस बीच विसर्जन के लिए लोग भगवान गणेश की मूर्तियों को लेकर अपने घरों और पंडालों से निकले और देखते ही देखते सड़कें खचाखच भर गईं. 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से भव्य मूर्तियां पंडालों से ले जाई जा रही हैं.

अजित पवार के वायरल वीडियो पर घमासान, प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- महिलाओं की बात और कार्रवाई में फर्क

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और महिला आईपीएस अधिकारी के बीच हाल ही में हुए बातचीत के वायरल वीडियो को लेकर राज्यभर में चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में अब इस मामले में शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधा। उन्होंने पवार के महिला पुलिस अधिकारियों के सम्मान को लेकर दिए गए बयान और उनकी पार्टी के एमएलसी अमोल मितकारी की कार्रवाई के बीच विरोधाभास को लेकर सवाल उठाया।

दरअसल, हाल ही में सोलापुर जिले में एक महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा और अजित पवार के बीच फोन पर हुई बातचीत का वीडियो वायरल हुआ था। बताया गया कि अंजना कृष्णा ने अवैध खुदाई रोकने की कोशिश की थी, जिस पर अजित पवार ने कथित तौर पर उन्हें डांटते हुए कहा था कि इतना आपको डेरिंग हो गया क्या? मामले में जब बयानबाजी तेज हुई तब सफाई देते हुए अजित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि उन्हें पुलिस बल और महिला अधिकारियों का बेहद सम्मान है और वे कानून के राज को सर्वोपरि मानते हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने पवार की मंशा पर उठाए सवाल

हालांकि डिप्टी सीएम की सफाई के बाद प्रियंका चतुर्वेदी ने उनकी मंशा पर सवाल उठाए हैं। चतुर्वेदी ने लिखा कि एक ओर अजित पवार महिला अधिकारियों का सम्मान करने की बात करते हैं और दूसरी ओर उनकी पार्टी के एमएलसी अमोल मितकारी ने यूपीएससी को चिट्ठी लिखकर आईपीएसअधिकारी अंजना

कृष्णा की शैक्षणिक योग्यता और जाति प्रमाणपत्र की जांच की मांग की है। उन्होंने पूछा कि क्या अजित पवार जी को पता भी है कि उनकी एक प्रोफाइल पर क्या पोस्ट हो रहा है और उनके पार्टी नेता क्या कर रहे हैं?

महिला IPS अधिकारी से जुड़े विवाद पर NCP के MLC अमोल मितकारी ने मांगी माफी

हालांकि महाराष्ट्र के महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा से जुड़े विवाद मामले में एनसीपी के एमएलसी अमोल मितकारी ने शनिवार को माफी मांगते हुए अपना बयान वापस ले लिया। मितकरी ने सफाई देते हुए कहा कि यह मेरा निजी विचार था, पार्टी की नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा ईमानदार अधिकारियों का सम्मान किया है। मैं अपने ट्वीट को वापस लेता हूं और माफी मांगता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वे पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के रुख से पूरी तरह सहमत हैं।

बता दें कि इससे पहले अजित पवार ने यह भी कहा था कि उनका इरादा पुलिस के काम में हस्तक्षेप करने का नहीं था, बल्कि वे सोलापुर में स्थिति को शांत बनाए रखना चाहते थे। उन्होंने वादा किया था कि अवैध खुदाई पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्या है पूरा मामला, समझिए

गौरतलब है कि ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब 21 अगस्त को सोलापुर के माढा तहसील के कुर्डू गांव में अंजना कृष्णा अवैध खुदाई की जांच करने पहुंचीं। वहां पुलिस और गांव वालों के बीच झड़प हुई, जिसके बाद एनसीपी कार्यकर्ता बाबा जगताप ने अजित पवार से फोन पर बात कराई। इसी दौरान पवार और महिला अधिकारी के बीच विवादास्पद बातचीत हुई। ऐसे में अब यह मामला राजनीतिक तूल पकड़ चुका है, जिसमें विपक्ष अजित पवार की कथनी और करनी पर सवाल खड़े कर रहा है।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग (भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या: ईपीएस/95/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/ डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेण्डर नं	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा
1	81255767	स्विच एक्सपेंशन जोईन्ट फॉर long वेल्डेड रेल	40 सेट.
2	20254020A	सेट ऑफ़ सिंगल डक्ट Leather Bellows	340 सेट.
3	20254294	जिंक क्रोमटेड (dipping प्रोसेस) oil cooler	24 सेट.
4	20255020	IGBT बेस्ड 3-फेज ड्राइव Propulsion Equipments	47 सेट.
5	10254529	एलिमेंट इंजन एयर फ़िल्टर	1135 नंबर.
6	40252661A	25 KW, 110/130V DC ब्रुशलेस alternator	31 नंबर.
7	30251502	हाई Tensile टाइट लॉक सेंटर बफर coupler	899 सेट

खोलने की तिथि: क्रमांक 1: 24.09.2025, क्रमांक 2,3,4: 25.09.2025, क्रमांक 5: 30.09.2025, क्रमांक 6,7: 06.10.2025. 50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता.)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

फडणवीस का दो टूकः 'नया भारत' अपनी विदेश नीति खुद तय करेगा, कोई और नहीं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि कोई भी देश भारत की विदेश नीति तय नहीं कर सकता। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को बेहद खास रिश्ता बताया था और कहा था कि वह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा था कि इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महान हैं और दूसरे देशों के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी उन्हें महान मानते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी का नया भारत है और यह अपनी विदेश नीति खुद तय करता है। कोई भी हमारी विदेश नीति तय नहीं कर सकता। अगर कोई हमारे साथ नहीं भी आता है, तो भी हम 'विकसित भारत' बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-अमेरिका संबंधों की पुष्टि पर गर्मजोशी से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए

कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति की भावनाओं और द्विपक्षीय संबंधों के सकारात्मक आकलन की गहरी सराहना करते हैं और पूरी तरह से उनका समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की ओर आगे की ओर देखने वाला बताया। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक आकलन की मैं गहराई से सराहना करता हूँ और पूरी तरह से उनका समर्थन करता हूँ। भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। इससे पहले शुक्रवार (स्थानीय समय) को, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक घोषणा करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों को एक 'बेहद खास रिश्ता' बताया और कहा कि वह और प्रधानमंत्री मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इसमें 'चिंता की कोई बात नहीं है'।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर नाखुशी भी जताई कि वह (प्रधानमंत्री मोदी) इस समय क्या कर रहे हैं। एएनआई द्वारा पूछे जाने पर कि 'क्या आप इस समय भारत के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए तैयार हैं?', अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मैं हमेशा ऐसा करूँगा। मैं हमेशा (प्रधानमंत्री) मोदी का दोस्त रहूँगा। वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। मैं हमेशा दोस्त रहूँगा, लेकिन मुझे इस समय वह जो कर रहे हैं, वह पसंद नहीं है। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही खास रिश्ता है। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। बस कभी-कभी हमारे बीच कुछ खास पल आते हैं।'

एनसीपी एमएलसी अमोल मिटकरी ने आईपीएस अंजना कृष्णा पर दिया बयान लिया वापस, मांगी माफी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार और आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा के बीच फोन पर हुई बहस से जुड़ा विवाद अब थमता दिखाई दे रहा है. एनसीपी (अजित पवार गुट) के एमएलसी अमोल मिटकरी, जिन्होंने अंजना कृष्णा के शैक्षिक और जाति प्रमाणपत्रों पर सवाल उठाए थे. उन्होंने शनिवार (6 सितंबर) को अपना बयान वापस ले लिया और माफी मांग ली. एमएलसी अमोल मिटकरी ने हाल ही में यूपीएससी को एक पत्र लिखकर अंजना कृष्णा के दस्तावेजों की जांच की मांग की थी. उनका कहना था कि एक आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति से पहले यह सुनिश्चित होना चाहिए कि उसके सभी प्रमाणपत्र और शैक्षिक योग्यता पूरी तरह वैध हों. हालांकि, शनिवार को उन्होंने अपने ट्वीट को वापस लेते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी की छवि को ठेस पहुंचाना नहीं था और अगर उनके बयान से किसी को दुख पहुंचा है तो वे माफी मांगते हैं.

अंजना पर पवार ने कार्रवाई न करने का बनाया था दवाब

जानकारी के अनुसार बता दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र के करमाला उप-विभागीय पुलिस अधिकारी अंजना कृष्णा ने सोलापुर जिले में अवैध मिट्टी उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई की. इस कार्रवाई से नाराज एनसीपी कार्यकर्ता बाबा जगताप ने अजित पवार को फोन लगाया और उनसे अधिकारी से बात करने को कहा. सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में अजित पवार को कथित तौर पर अधिकारी को फटकार लगाते और कहते सुना गया कि कार्रवाई रोक दी जाए. वीडियो में वे यह भी कहते सुनाई दिए- 'मैं आपको आदेश देता हूं कि वो रुकवाओ' और 'मैं तेरे पर एक्शन लूंगा.'

वीडियो वायरल के बाद पवार पर बढ़ा दबाव

वीडियो सामने आते ही अजित पवार पर दबाव बढ़ गया और विपक्षी दलों ने उन पर प्रशासनिक मामलों में अनुचित हस्तक्षेप का आरोप लगाया. आलोचनाओं का सामना करने के बाद पवार ने शुक्रवार को सफाई दी कि उनका मकसद अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि उस समय की तनावपूर्ण स्थिति को कम करना था. उन्होंने कहा कि वे नियम-कानून के खिलाफ कोई आदेश देने का इरादा नहीं रखते थे.

अवैध खनन के मामलों पर अंजना की कार्रवाई तेज

अब अमोल मिटकरी की माफी के बाद इस विवाद पर विराम लगता दिख रहा है. अंजना कृष्णा की सख्त कार्यशैली को लेकर जहां उन्हें जनता का समर्थन मिला है, वहीं नेताओं की भूमिका पर सवाल उठे हैं. फिलहाल, अंजना कृष्णा अपनी जिम्मेदारियों के साथ कार्य कर रही हैं और जिला प्रशासन अवैध खनन के मामलों पर कार्रवाई जारी रखे हुए है.

मुंबई वार्ड परिसीमन पर मिली 488 आपत्तियां, 10 सितंबर से शुरू होगी सुनवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनावों की तैयारियां जोरों पर हैं. नगर निकाय को हाल ही में जारी किए गए मसौदा वार्ड परिसीमन पर 488 आपत्तियां और सुझाव मिले हैं. ये आपत्तियां मुंबई के अलग-अलग हिस्सों से आई हैं, जिन्हें अब सुनवाई के बाद देखा जाएगा.

4 सितंबर तक मिला मौका, अब शुरू होगी सुनवाई

बीएमसी की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, मसौदे पर आपत्तियां और सुझाव जमा करने की आखिरी तारीख 4 सितंबर दोपहर 3 बजे थी. इस दौरान कुल 488 आपत्तियां और सुझाव सामने आए.

अब इन पर सुनवाई 10, 11 और 12 सितंबर को की जाएगी. इसके लिए नरिमन पॉइंट का यशवंतराव चव्हाण केंद्र जगह तय की गई है तीनों दिन सुनवाई सुबह 11 बजे से शाम 5.30 बजे तक चलेगी.

22 अगस्त को जारी हुई थी अधिसूचना

महाराष्ट्र शहरी विकास विभाग ने 22 अगस्त को एक अधिसूचना जारी कर 227 वार्डों का मसौदा नक्शा घोषित किया था. इसी मसौदे पर अब लोगों की राय मांगी गई थी. दरअसल, हर चुनाव से पहले वार्ड परिसीमन करना जरूरी होता है ताकि बढ़ती जनसंख्या और बदलती परिस्थितियों के हिसाब से चुनावी क्षेत्र तय हो सकें.

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने की तैयारियों की समीक्षा

इसी बीच, महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने शुक्रवार को बीएमसी मुख्यालय में चुनावी तैयारियों की समीक्षा की. इस बैठक में नगर निगम और राज्य चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे. बैठक के दौरान मतदान केंद्रों पर सुविधाएं मजबूत करने पर जोर दिया गया. वाघमारे ने कहा कि मतदाताओं की सुविधा के लिए हर बूथ पर पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वोटरों को जागरूक करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जाए.

क्यों जरूरी है वार्ड परिसीमन?

वार्ड परिसीमन यानी डिलिमिटेशन एक अहम प्रक्रिया है. मुंबई जैसी बड़ी आबादी वाले शहर में यह और भी जरूरी हो जाता है. इससे तय होता है कि किस इलाके का कौन-सा हिस्सा किस वार्ड में आएगा. इसका सीधा असर नेताओं और पार्टियों की चुनावी रणनीति पर पड़ता है. यही वजह है कि हर बार परिसीमन पर आपत्तियां और सुझाव बड़ी संख्या में आते हैं.

राज्य उत्सव के बीच गिरगाँव चौपाटी पर मुख्यमंत्री द्वारा भगवान गणेश को विदाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने गणेशोत्सव को राज्य उत्सव का दर्जा दिया है और आज गिरगाँव चौपाटी पर उत्सव अपने चरम पर पहुँच गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस स्वयं उपस्थित हुए और भगवान गणेश को विदाई दी। इस राज्य उत्सव के उत्साह में, गिरगाँव चौपाटी पर विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले, राज्य मंत्री योगेश कदम, विधायक अमित साटम, मुंबई नगर आयुक्त भूषण गगरानी, ??अतिरिक्त आयुक्त अमित कुमार सैनी सहित हज़ारों भक्त उपस्थित थे। ढोल-ताशों की थाप और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। बृहन्मुंबई नगर निगम द्वारा गिरगांव चौपाटी पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अध्यक्ष प्रो. राम शिंदे, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कई गणमान्य व्यक्तियों ने गणेश प्रतिमाओं पर पुष्प वर्षा की और उन्हें विदाई दी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दस दिवसीय गणेशोत्सव पूरे राज्य में बड़े उत्साह और शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। श्री फडणवीस ने कहा, 'लोगों ने इस त्योहार को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया। गणपति विसर्जन के दौरान हमेशा थोड़ा दुख होता है, क्योंकि दस दिन बाद बप्पा हमें छोड़कर चले जाते हैं। लेकिन साथ ही, यह खुशी भी होती है कि वे अगले साल फिर से लौटेंगे।'

मुंबई, पुणे और राज्य भर के सभी शहरों और गांवों में गणेशोत्सव जुलूस शांतिपूर्ण और अनुशासन के साथ निकाले गए। श्री फडणवीस ने कहा, 'पुलिस विभाग, नगर निगमों और स्थानीय प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं के कारण यह उत्सव सुचारू रूप से संपन्न हुआ। उनका काम सराहनीय है।'

गिरगांव चौपाटी पर आयोजित विसर्जन समारोह में मुंबई के लोगों के साथ-साथ कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। विसर्जन की व्यवस्था ग्रेटर मुंबई नगर निगम, पुलिस और स्वयंसेवकों के सहयोग से की गई।

नासिक में जो हुआ किसी चमत्कार से कम नहीं! अंतिम संस्कार के दौरान 'ब्रेन डेड' व्यक्ति में आ गई जान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्र्यंबकेश्वर तालुका के रहने वाले 19 वर्षीय युवक को कुछ दिन पहले एक दुर्घटना के बाद डॉक्टरों ने 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया था. परिजन जब उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे, तभी अचानक युवक ने हरकत करना और खांसना शुरू कर दिया. इस घटना ने सभी को चौंका दिया और इलाके में चर्चा का विषय बन गया.

युवक की पहचान भाऊ लचके के रूप में हुई है. रिश्तेदार गंगाराम शिंदे ने बताया, 'हमने उसे निजी अस्पताल से घर लाया था और जैसे ही अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू की, वह अचानक हिलने-डुलने और खांसने लगा. घबराकर हम तुरंत उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे.' डॉक्टरों ने लचके का कर दिया था ' ब्रेन डेड' घोषित- परिवार

जानकारी के अनुसार, जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने लचके की गंभीर हालत देखते हुए उसे जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखा है. अधिकारियों ने बताया कि उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है और उस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. इस घटना को लेकर परिजनों ने निजी अस्पताल पर सवाल उठाए हैं. उनका आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टरों ने जल्दबाजी में लचके को 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया, जिसके बाद परिवारजन गहरे सदमे में आ गए और अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे.

अस्पताल का दावा- मरीज को कभी नहीं किया मृत घोषित

हालांकि, निजी अस्पताल प्रबंधन ने इस आरोप से इनकार किया है. अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीज को कभी मृत घोषित नहीं किया गया था. अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया, 'भाऊ लचके गंभीर अवस्था में जरूर था, लेकिन उसे मृत घोषित करने का सवाल ही नहीं उठता. यह पूरी तरह से परिजनों की गलतफहमी है.'

इस मामले ने स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों के परिजनों के बीच आपसी बातचीत की कमी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि अक्सर डॉक्टरों की बात को लेकर परिजन भ्रमित हो जाते हैं. 'ब्रेन डेड' जैसी जटिल स्थिति को समझाना और स्पष्ट करना डॉक्टरों की जिम्मेदारी होती है.

फिलहाल, जिला अस्पताल प्रशासन ने युवक के इलाज की पूरी जिम्मेदारी संभाल ली है. उसकी हालत में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन वह अभी भी गंभीर स्थिति में है.

एक्टर निकिता घाघ पर बंदूक की नोक पर 10 लाख ठगने का आरोप, साथी विवेक जगताप समेत गिरोह पर केस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई में एक्टर निकिता घाघ पर आरोप है कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर एक शिकायतकर्ता के ऑफिस में घुसपैठ की. साथ ही बंदूक व चाकू की नोक पर धमकाकर 10 लाख रुपये वसूले. इस घटना ने न केवल मुंबई फिल्म इंडस्ट्री बल्कि पुलिस महकमे को भी हिला दिया है.

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनकी पहचान करीब चार-पांच महीने पहले डायरेक्टर दिनेश सुदर्शन के जरिए निकिता से हुई थी. निकिता ने उनसे एक एल्बम में काम करने की इच्छा जताई और दावा किया कि उनके पास एक इन्वेस्टर है. शर्त यह थी कि उन्हें लीड रोल दिया जाए. जब शिकायतकर्ता ने इनकार किया, तब भी निकिता लगातार मुलाकात करने और इन्वेस्टर से मिलवाने पर जोर देती रहीं.

क्या है पूरा मामला?

14 अगस्त 2025 की शाम करीब 4:45 बजे शिकायतकर्ता अपने ऑफिस में मौजूद थे. उस समय आर्टिस्ट आरती नागपाल और कुछ अन्य फिल्मी हस्तियां

भी ऑफिस में थीं. करीब 5:30 बजे निकिता पांच-छह अनजान लोगों के साथ ऑफिस पहुंचीं. इनमें एक शख्स ने खुद को विवेक जगताप बताया, जिसे सभी 'दादा' कहकर बुला रहे थे. आरोप है कि वे सभी केबिन में जबरन घुसे, गालियां दीं और शिकायतकर्ता के दोस्तों को बाहर निकाल दिया.

हथियारों से धमकी और फिरौती

शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने 25 लाख रुपये की मांग की और उनके दोनों मोबाइल फोन छीन लिए. विवेक जगताप ने पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी, जबकि एक अन्य आरोपी ने चाकू लहराया. निकिता ने भी चेतावनी दी कि मीडिया बुलाकर बदनाम कर देंगी. तीन घंटे तक शिकायतकर्ता को ऑफिस में बंधक बनाकर रखा गया.

पैसे न मिलने पर आरोपियों ने शिकायतकर्ता को उनके बैंक ऐप में लॉगिन करने पर मजबूर किया. आरोप है कि उन्होंने नया बेनिफिशियरी जोड़वाया और ओटीपी का इस्तेमाल कर आईसीआईसीआई बैंक खाते से 10 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए. रात 10:18 बजे यह लेन-देन पूरा हुआ. इसके बाद निकिता ने दबाव डालकर एक ईमेल भी लिखवाया, जिसमें रकम को उनकी 'एक्टिंग फीस (एडवांस)' बताया गया.

निकिता ने स्टाफ को भी धमकाया

इस दौरान शिकायतकर्ता के स्टाफ को भी डराया-धमकाया गया और कहा गया कि वे अब ऑफिस में काम करने न आएं. पैसे मिल जाने के बाद आरोपी धीरे-धीरे वहां से निकल गए. जाते-जाते निकिता और विवेक ने चेतावनी दी कि अगर घटना की जानकारी किसी को दी गई तो गंभीर अंजाम भुगतने होंगे.

मामले की जांच में जुटी पुलिस

पीड़ित ने आरोपियों का विस्तृत विवरण पुलिस को दिया है. विवेक जगताप को 35-40 वर्ष का गठीला, सांवला और हिंदी-मराठी बोलने वाला बताया गया है. वहीं, चाकू दिखाने वाला व्यक्ति 30-35 वर्ष का, दाढ़ी वाला और सफेद शर्ट पहने हुए था. अन्य लोग मध्यम कद-काठी के और 25-30 वर्ष के बीच बताए गए हैं.

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. यह घटना फिल्म इंडस्ट्री में सुरक्षा और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है.

त्योहारी सीजन पर मुंबई में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 30 दिनों तक ड्रोन पर बैन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई पुलिस ने गणेश विसर्जन के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. 6 सितंबर से अगले 30 दिनों तक शहर में ड्रोन, पैराग्लाइडर्स, गुब्बारे, और अन्य किसी भी प्रकार की उड़ने वाली वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. आज से 5 अक्टूबर तक यह आदेश लागू रहेगा. यह निर्णय विशेष रूप से गणपति विसर्जन और उससे जुड़ी भीड़भाड़ के मद्देनज़र लिया गया है, जिससे किसी भी संभावित खतरे घटना को रोका जा सके.

मुंबई शहर में 6 सितंबर से 5 अक्टूबर तक हॉट एयर बैलून, रिमोट-कंट्रोल माइक्रोलाइट विमान, पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हैंग ग्लाइडर और ड्रोन उड़ाने पर अस्थायी प्रतिबंध लागू किया गया है. यह प्रतिबंध प्रतिदिन रात 12:01 बजे से लेकर रात 12:00 बजे तक प्रभावी रहेगा. केवल मुंबई पुलिस द्वारा की जाने वाली हवाई निगरानी या उपायुक्त (संचालन) से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त गतिविधियों को इससे छूट दी गई है. पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर अपनी नजर बनाए हुए है.

सुरक्षा व्यवस्था का कड़ा प्रबंध

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी प्रतिबंध 6 सितंबर से प्रभावी होकर 5 अक्टूबर 2025 तक कुल 30 दिनों की अवधि के लिए लागू रहेंगे. इन नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सकती है उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना लगाया जा सकता है और गिरफ्तारी भी की जा सकती है.

उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

मुंबई इन दिनों गणेश उत्सव की धूम में डूबा हुआ है, बप्पा की भक्ति का रंग चढ़ा हुआ है. खासकर लालबागचा राजा के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं, इन दिनों काफी भीड़ भी देखी जा रही है. इनमें आम लोग ही नहीं, बल्कि फिल्मी सितारे और कई वीआईपी हस्तियां भी शामिल हैं. इस भारी भीड़ और लगातार बढ़ती आवाजाही को देखते हुए मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था को पहले से कहीं और ज्यादा मजबूत किया गया है.

सम्पादकीय

जीएसटी पर राजनीति या राहत?

जीएसटी या 'वस्तु एवं सेवा कर', जिसे वर्ष 2017 में भारतीय कर प्रणाली में लागू किया गया था, उस समय एक ऐतिहासिक सुधार माना गया था। इसे 'एक राष्ट्र, एक कर' की अवधारणा के रूप में प्रस्तुत किया गया था और जनता को भरोसा दिलाया गया था कि इससे कर प्रणाली सरल होगी, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। शुरुआत से ही, सरकार और उसके आर्थिक सलाहकारों ने ऊँची कर दरों को उचित ठहराया और कहा कि यह राष्ट्रहित में है और दीर्घावधि में इससे राजस्व में वृद्धि होगी, विकास दर में तेज़ी आएगी और राज्यों को भी मज़बूती मिलेगी। लेकिन पिछले नौ वर्षों में जनता ने देखा है कि आम उपभोक्ता पर जीएसटी का बोझ बढ़ता ही गया है। आवश्यक वस्तुओं के साथ-साथ रोज़मर्रा की ज़रूरतों पर भी कर की दरें ऊँची रहीं। महंगाई बढ़ती रही और हर घर का बजट बिगड़ता रहा। व्यापारी वर्ग ने भी कई बार शिकायत की कि जीएसटी की जटिल व्यवस्था और ऊँची कर दरों ने उनके कारोबार को प्रभावित किया। छोटे और मध्यम उद्यमों को कई बार अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ा।

अब अचानक वही सरकार कह रही है कि जीएसटी की दरें कम की जाएँगी और इससे जनता को सीधी राहत मिलेगी। नवरात्रि के अवसर पर की गई इस घोषणा को 'कर राहत की दिवाली' कहा जा रहा है। निश्चित रूप से, यह कदम आम उपभोक्ता के लिए राहत का संदेश है। जूते, कपड़े, टीवी, डीटीएच जैसी चीज़ों पर कर कम होने का सीधा असर हर परिवार पर पड़ेगा। त्योहारों के दौरान लोग खरीदारी कर पाएँगे और बाज़ार में चहल-पहल बढ़ेगी। लेकिन सवाल यह उठता है कि जो तर्क पहले उच्च कर के समर्थन में दिए जाते थे, वही आज उसे कम करने के समर्थन में क्यों दिए जा रहे हैं?

यह विरोधाभास सिर्फ़ कर दरों तक ही सीमित नहीं है। यह सरकार की

आर्थिक नीतिगत सोच पर भी सवाल उठाता है। अगर उच्च कर विकास का आधार थे, तो नौ साल बाद अचानक उन्हें कम करना विकास के लिए ज़रूरी कैसे हो गया? और अगर कम कर वास्तव में बाज़ार और जनता को राहत दे सकते हैं, तो जनता को इतने सालों तक उच्च करों का बोझ क्यों उठाना पड़ा? आम नागरिक इन सवालों के जवाब चाहता है। वह देख रहा है कि राजनीति और चुनावी दांव-पेंच के चलते कई बार कर नीतियों में बदलाव किया जाता है। त्योहारों के मौके पर कर में कटौती की घोषणा लोगों को आकर्षित ज़रूर करती है, लेकिन क्या यह दीर्घकालिक समाधान है? समय-समय पर कर नीति बदलना और हर बार यह कहना कि यह जनहित में है, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है।

आज जब सरकार कहती है कि कर कम करने से अर्थव्यवस्था मज़बूत होगी, तो यह सच है। जब कर का बोझ कम होता है, तो लोगों की क्रय शक्ति बढ़ती है, खपत बढ़ती है और बाज़ार में रौनक आती है। इससे उत्पादन बढ़ता है और रोज़गार भी पैदा होता है। लेकिन फिर वही सवाल उठता है - इतने सालों तक करों को ऊँचा रखकर क्या मकसद पूरा हुआ? क्या उस दौरान जनता सिर्फ़ राजस्व वसूली की मशीन बनकर रह गई?

सच तो यह है कि भारत जैसे विकासशील देश में कर नीति सिर्फ़ राजस्व वसूली का ज़रिया ही नहीं होनी चाहिए, बल्कि सामाजिक-आर्थिक संतुलन का आधार भी होनी चाहिए। ज़रूरी वस्तुओं और रोज़मर्रा की ज़रूरतों पर कर का बोझ कम से कम रखा जाना चाहिए ताकि ग़रीब और मध्यम वर्ग को राहत मिल सके। जबकि विलासिता की वस्तुओं पर अपेक्षाकृत ज़्यादा कर लगाया जा सकता है। लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि यह संतुलन कई बार बिगड़ा है और आम नागरिक की जेब पर सीधा असर पड़ा है।

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि कर में राहत का असर सरकार के राजस्व पर भी पड़ता है। जब राजस्व कम होता है, तो सरकार या तो घाटा बढ़ा देती है या फिर कहीं और से उसकी भरपाई कर लेती है। ऐसे में जनता को असल में कितनी राहत मिलती है, यह भी एक बड़ा सवाल है। अगर बिजली, ईंधन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कर का बोझ बना रहेगा, तो बाकी चीज़ों पर कर में कमी का असर सीमित ही रहेगा।

जीएसटी के नाम पर 'एक राष्ट्र, एक कर' का जो सपना दिखाया गया था, वह अभी भी अधूरा है। अलग-अलग वस्तुओं पर अलग-अलग स्लैब, राज्यों की शिकायतें, जटिल रिटर्न फाइलिंग और नियमों में बार-बार बदलाव, ये सब इसे और जटिल बना रहे हैं।

भारत की चिप क्रांति : सपनों से साकार होती हकीकत

उम्मीदों की चिप ने दिए आत्मगौरव और नवाचार को पंख

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है।

भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुज़र रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है।

चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फ़ोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज़, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक–हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की

आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाज़ार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया।

कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है। तभी भारत ने यह अवसर पहचाना और अपने को आपूर्ति श्रृंखला का विश्वसनीय केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए।

वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन नगर में सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भारत ने यहाँ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभ प्रस्तुत किए। भारत ने कहा कि तकनीक केवल व्यापार और उद्योग का विषय नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा, स्थायी संपर्क और सामूहिक अवसर का आधार है। सेमीकंडक्टर विकास और डिजिटल नवाचार को सामूहिक प्राथमिकता बनाने का भारत का आह्वान इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। तियानजिन घोषणा पत्र में भारत की यह दृष्टि परिलक्षित हुई, जिससे यह प्रमाणित हो गया कि विश्व समुदाय भारत के बढ़ते तकनीकी महत्व को स्वीकार कर रहा है।

भारत ने इस प्रयास को केवल उद्योग तक सीमित नहीं रखा है। शिक्षा संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों और स्टार्टअप्स को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। आईआईटी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालयों में चिप डिजाइनिंग, नैनोटेक्नोलॉजी और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पाठ्यक्रम आरम्भ किए गए हैं। युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रकार आने वाली पीढ़ी को तकनीकी नेतृत्व सौंपने की ठोस तैयारी की जा रही है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का यह अभियान रोज़गार सृजन और औद्योगिक विकास का भी आधार बनेगा। अनुमान है कि आने वाले दस वर्षों में इस क्षेत्र से दस लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा होंगे। निर्माण, डिज़ाइनिंग, परीक्षण और वितरण के स्तर पर नये उद्योग और स्टार्टअप्स उभरेंगे। यह केवल तकनीकी विकास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम होगा।

इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। रक्षा उपकरणों और उपग्रह तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ने से भारत की रणनीतिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में भी भारत का प्रभाव बढ़ेगा। स्पष्ट है कि चिप निर्माण केवल उद्योग की आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से भी गहरे रूप से जुड़ा है।

हालाँकि, चुनौतियाँ अभी भी शेष हैं। बिजली और जल की सतत आपूर्ति, अनुसंधान में निरंतर निवेश, वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय संतुलन जैसी बाधाएँ इस यात्रा को कठिन बना सकती हैं। किंतु सरकार, उद्योग और समाज के संयुक्त प्रयास से इन चुनौतियों का समाधान अवश्य होगा। भारत ने जिस आत्मविश्वास और संकल्प के साथ इस यात्रा का आरम्भ किया है, उससे यह स्पष्ट है कि वह पीछे मुड़कर देखने वाला नहीं।

आज भारत की चिप क्रांति केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता की कहानी नहीं, बल्कि यह आत्मगौरव, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की महागाथा भी है। उम्मीदों की चिप सचमुच हौसलों को पंख दे चुकी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व व्यवस्था को बदला, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप और तकनीक वैश्विक नेतृत्व का निर्धारण करेगी। भारत ने इस क्षेत्र में अपने कदम दृढ़तापूर्वक बढ़ा दिए हैं और अब उसका सपना धीरे-धीरे साकार होता दिख रहा है।

भारत-पाकिस्तान में आई बाढ़ के लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार

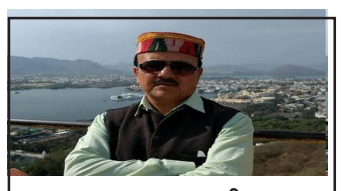

राय तपन भारती,
आर्थिक पत्रकार

इन दिनों लगातार हो रही मॉनसून की बारिश के चलते उत्तर भारत और पाकिस्तान में भीषण बाढ़ के हालात बन गए हैं और भूस्खलन की कई भयानक घटनाएं भी हो रही हैं। इन प्राकृतिक हादसों में 800 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। इस बार भारत के हिमालय क्षेत्र के उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

भारत और पाकिस्तान दोनों ही तरफ़ इन दिनों बाढ़ ने लोगों का जीवन प्रभावित किया है। यहां तक कि भारत-पाकिस्तान के वाघा-अटारी बॉर्डर पर भी इस बाढ़ का असर देखने को मिला।

पाकिस्तान के एक मंत्री ने उनके देश में आई बाढ़ के लिए भारत को ज़िम्मेदार ठहराया है। वहीं भारत का कहना है कि उनकी तरफ़ से पहले ही पानी छोड़े जाने की चेतावनी दे दी गई थी।

इधर भारत के पंजाब में सतलुज, व्यास और रावी नदियां और छोटी मौसमी नदियां अपने जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण उफान पर हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, के मारे जाने के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के साथ जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों के नियमित आदान-प्रदान को स्थगित कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि निलंबन के बावजूद, जान-माल की हानि को रोकने के लिए विशुद्ध रूप से मानवीय आधार पर पाकिस्तान को बाढ़ की ताजा चेतावनी से अवगत कराया गया।

इनके अलावा, पंजाब में भी बाढ़ ने जमकर तबाही मचाई है। राज्य के सभी 23 जिलों के 2,000 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में आए हैं। तीन लाख से ज्यादा लोग भारी बारिश और बाढ़ की वजह से बेघर हुए हैं। पंजाब की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है। बाढ़ के चलते, करीब 1.5 लाख हेक्टेयर खेत पानी में डूब गए हैं और फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य में तबाही का ऐसा मंजर पहली बार दिखा।

पड़ोसी देश पाकिस्तान का भी बुरा हाल है। वहां के अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि 10 लाख से अधिक लोगों को बाढ़ग्रस्त इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पाकिस्तान के पूर्व में स्थित पंजाब प्रांत में बाढ़ ने सबसे ज्यादा जान माल का नुकसान पहुंचाया है। जून के आखिर में मानसून की शुरुआत से लेकर अब तक पाकिस्तान में बाढ़ के चलते 800 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्र, दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है और यह जलवायु परिवर्तनों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील भी है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अब बारिश संबंधी आपदाएं ज्यादा आ रही हैं और उनकी तीव्रता भी बढ़ रही है, ऐसे में इस क्षेत्र को इन आपदाओं से निपटने के लिए अपनी तैयारी बेहतर करनी होगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि मॉनसून की अनिश्चितता के पीछे जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख कारण हो सकता है। वे कहते हैं कि मानव-जनित जलवायु परिवर्तन दक्षिण एशिया के मॉनसून को तीव्र कर रहा है। पहले जिन बारिशों का अनुमान लगाया जा सकता था, वे अब अनियमित हो गई हैं। कई बार बेहद कम समय के भीतर, बहुत अधिक बारिश होती है और बाद में सूखा पड़ जाता है।

अंजल प्रकाश हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस में प्रोफेसर हैं और कई जलवायु रिपोर्टों के लेखक भी हैं। उन्होंने न्यूज एजेंसी एपी से बातचीत में कहा था, 'अब हम एक गर्म दुनिया में रह रहे हैं, जो औद्योगिक काल से पहले की तुलना में लगभग 1.5 डिग्री अधिक गर्म है।' वे यह भी कहते हैं कि भविष्य में अत्यधिक बारिश की घटनाओं की संख्या और तीव्रता में बढ़ोतरी ही होगी।

वे बताते हैं कि तेजी से हो रहे शहरीकरण, जंगलों की कटाई और उचित योजना के बिना खड़े किए गए बुनियादी ढांचे ने बाढ़ की स्थिति और गंभीर कर दी है। उन्होंने आगे कहा, 'पानी निकलने की प्राकृतिक प्रणालियां नष्ट हो गई हैं। नदियों का कुप्रबंधन हो रहा है। जब भारी बारिश और ऐसी कमजोरियां आपस में मिलती हैं तो आपदाओं का टालना नामुमकिन हो जाता है।'

क्षय देवरस ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग में मौसम विज्ञानी हैं। उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक भारतीय मौसम प्रणालियों पर नजर रखी है। वे भी अत्यधिक बारिश की घटनाओं में जलवायु परिवर्तन की भूमिका को स्वीकार करते हैं।

उन्होंने न्यूज एजेंसी एपी से कहा, 'अगर बारिश समान रूप से बंटी हुई होती है तो आप पर उतना प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन मान लीजिए कि अगर पूरे महीने की बारिश, कुछ घंटों या कुछ दिनों में ही हो जाती है तो उससे समस्याएं पैदा होती हैं। फिलहाल, हम यही होता देख रहे हैं।'

इमरजेंसी इवेंट्स डेटाबेस के मुताबिक, साल 2024 में अकेले एशिया में ही 167 आपदाएं आई थीं, जो किसी भी महाद्वीप के लिए सबसे ज्यादा है। शोधकर्ताओं ने पाया कि तूफान, बाढ़, लू और भूकंप की घटनाओं के कारण 32 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ।

अक्षय देवरस कहते हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़नी तय है इसलिए ' तमाम देशों को इनसे निपटने के लिए अधिक तैयारी करने की जरूरत है।' वे आगे चिंता जताते हुए कहते हैं कि फिलहाल 'भारत में इस बारे में कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है कि भविष्य में इन चीजों को कैसे संभाला जाएगा।'

एससीओ 2025 और भारत की त्रि-स्तंभ रणनीतिः सुरक्षा, संपर्क और अवसर

डॉ. प्रियंका सौरभ

शंघाई सहयोग संगठन, जिसकी स्थापना 2001 में हुई थी, मूल रूप से एक सुरक्षा-केंद्रित मंच के रूप में अस्तित्व में आया था। चीन, रूस और मध्य एशियाई देशों के लिए, यह संगठन आतंकवाद-निरोध और सीमा स्थिरता के लिए एक साझा मंच था। लेकिन पिछले दो दशकों में, संगठन ने धीरे-धीरे बहुआयामी स्वरूप ग्रहण कर लिया है, जिसमें सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक सहयोग, संपर्क, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की स्थापना जैसे मुद्दे प्रमुखता से उभरे हैं। भारत, जो 2005 में एक पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुआ और 2017 में पूर्ण सदस्यता प्राप्त की, एक ओर इस संगठन में अवसर देखता है और दूसरी ओर चुनौतियाँ भी। 2025 में तियानजिन शिखर सम्मेलन, जिसने संगठन की 25वीं वर्षगांठ भी मनाई, इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के संबंधों को तीन स्तंभों - सुरक्षा, संपर्क और अवसर - के संदर्भ में वर्णित किया। यह केवल बयानबाजी नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट और संतुलित रणनीति थी जिसके माध्यम से भारत ने अपनी सुरक्षा चिंताओं को स्पष्ट किया, संगठन में असंतुलनों को संतुलित करने का प्रयास किया और खुद को भविष्य को आकार देने वाली एक शक्ति के रूप में स्थापित किया। ये तीन स्तंभ तियानजिन घोषणापत्र में स्पष्ट रूप से प्रतिध्वनित हुए, जहाँ पहली बार भारत द्वारा प्रस्तावित 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के दृष्टिकोण को औपचारिक रूप से प्रतिष्ठित किया गया।

पहला स्तंभ, सुरक्षा, भारत की मुख्य चिंता है। मोदी ने दोहरे मानदंडों को खारिज करते हुए आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहनशीलता' के सिद्धांत को दोहराया। यह पाकिस्तान के लिए एक स्पष्ट संदेश था, जो आतंकवादी संगठनों को पनाह और समर्थन प्रदान करने के बावजूद खुद को एक आतंकवाद-रोधी शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। भारत ने यह सुनिश्चित किया कि तियानजिन घोषणापत्र में कश्मीर में पुलवामा-पहलगाम हमले सहित पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हाल ही में हुए बड़े आतंकवादी हमलों का स्पष्ट उल्लेख हो। यह भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत थी, क्योंकि पहले की घोषणाएँ अक्सर सामान्य शब्दों तक ही सीमित रहती थीं। भारत ने क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (आरएटीएस) को मजबूत करने, खुफिया जानकारी साझा करने, आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने और डिजिटल उग्रवाद को नियंत्रित करने के उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। भारत ने यह भी चेतावनी दी कि यदि अफगानिस्तान पर ध्यान नहीं दिया गया, तो पूरा क्षेत्र असुरक्षा की चपेट में आ जाएगा।

दूसरा स्तंभ, संपर्क, भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण है। मध्य एशिया एक ऊर्जा-समृद्ध और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन भारत का सीधा भौगोलिक संपर्क सीमित है। मोदी ने चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसी परियोजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि भारत ऐसे संपर्क बुनियादी ढाँचे का समर्थन करता है जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता हो। यह चीन की बेल्ट एंड रोड पहल,

खासकर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे, जो भारतीय क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है, की अप्रत्यक्ष आलोचना थी। भारत ने स्पष्ट किया कि किसी भी देश की संप्रभुता से समझौता करके विकास का कोई रास्ता नहीं बनाया जा सकता।

तिआनजिन शिखर सम्मेलन में भारत-चीन संबंधों पर भी आंशिक बातचीत हुई। मोदी और शी जिनपिंग के बीच संक्षिप्त बैठक में सीमा स्थिरता, वीज़ा बहाली और कैलाश-मानसरोवर जैसे तीर्थ स्थलों को फिर से खोलने की संभावना पर चर्चा हुई। यह दर्शाता है कि भारत के लिए संपर्क केवल भौतिक बुनियादी ढाँचे तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के बीच संबंध, व्यापार सामान्यीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

तीसरा स्तंभ, अवसर, भारत के दूरदर्शी और रचनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि एससीओ को केवल सुरक्षा और भू-राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नवाचार, युवा सशक्तिकरण और सतत विकास का एक मंच बनना चाहिए। भारत ने एससीओ स्टार्टअप फ़ोरम को मज़बूत करने, समावेशी डिजिटल गवर्नेंस पर सहयोग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ज़िम्मेदाराना इस्तेमाल का प्रस्ताव रखा। इसने पर्यावरणीय स्थिरता, हरित ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ़ संयुक्त प्रयासों की भी वकालत की। साथ ही, भारत ने एशियाई देशों की साझा सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के लिए एससीओ में एक 'सांस्कृतिक संवाद मंच' स्थापित करने का सुझाव दिया। यह स्तंभ भारत को सिर्फ़ सुरक्षा-केंद्रित राष्ट्र से आगे ले जाकर उसे एक सांस्कृतिक और नैतिक नेता की भूमिका प्रदान करता है।

तियानजिन घोषणापत्र में भारत की इन पहलों की स्पष्ट प्रतिध्वनि दिखाई दी। पहली बार, घोषणापत्र में 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के भारतीय दृष्टिकोण को अपनाया गया। यह वही विचार है जिसे भारत ने अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान सामने रखा था। घोषणापत्र में आतंकवादी घटनाओं की स्पष्ट रूप से निंदा की गई और एससीओ विकास बैंक की स्थापना पर सहमति व्यक्त की गई, जिसके लिए चीन ने 1.4 अरब डॉलर की प्रारंभिक पूंजी प्रदान करने का वचन दिया। हालाँकि इससे चीन के आर्थिक प्रभुत्व को लेकर आशंकाएँ पैदा होती हैं, लेकिन यह एससीओ को एक ठोस आर्थिक मंच बनाने की दिशा में एक कदम है। घोषणापत्र में बहुध्रुवीयता, संयुक्त राष्ट्र सुधार और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी का समर्थन किया गया। इसमें शिक्षा, संस्कृति और सभ्यताओं के संवाद को बढ़ावा देने का प्रस्ताव भी शामिल था, जो भारत की पहल के अनुरूप है।

भारत की इन उपलब्धियों के बावजूद, चुनौतियाँ बनी हुई हैं। पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दे को उठाने की कोशिश करता है, हालाँकि उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिलती। चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना अभी भी कई देशों को आकर्षित करती है, जिसके कारण भारत का असहमतिपूर्ण रुख संगठन में विरोधाभास पैदा करता है। अफ़ग़ानिस्तान की स्थिति पर अभी भी कोई सुसंगत सामूहिक रणनीति नहीं बन पाई है। साथ ही, भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए क्वाड और हिंद-प्रशांत पहल जैसे पश्चिमी मंचों के साथ संतुलन बनाना होगा।

वैश्विक संदर्भ में, एससीओ की प्रासंगिकता तेज़ी से बढ़ रही है। यह संगठन दुनिया की लगभग आधी आबादी और अर्थव्यवस्था के पाँचवें हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे समय में जब रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा और पश्चिम एशिया में अस्थिरता अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर हावी है, एससीओ बहुध्रुवीयता के प्रतीक के रूप में उभरा है। भारत की सक्रिय भूमिका इस संगठन को एक लोकतांत्रिक और विकासोन्मुखी आयाम प्रदान करती है।

आगे की राहः भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवाद-रोधी सहयोग केवल कागज़ों तक ही सीमित न रहे, बल्कि खुफ़िया जानकारी साझा करने और वित्तीय निगरानी जैसी ठोस व्यवस्थाओं में तब्दील हो। चाबहार और उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसी वैकल्पिक संपर्क संरचनाओं को जल्द ही लागू करना होगा। आईटी और स्टार्टअप क्षेत्रों में भारत की मज़बूती एससीओ को वैश्विक रूप से प्रासंगिक बना सकती है। योग, आयुर्वेद, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से भारत अपनी सॉफ्ट पावर को और मज़बूत कर सकता है। सबसे बड़ी चुनौती चीन और रूस के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना होगा, ताकि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा करते हुए एक स्वतंत्र भूमिका निभा सके।

अंततः, तियानजिन शिखर सम्मेलन न केवल एससीओ की वर्षगांठ थी, बल्कि भारत की कूटनीति की परिपक्वता का भी प्रतीक था। सुरक्षा, संपर्क और अवसर - ये तीन स्तंभ भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को जोड़ते हैं। तियानजिन घोषणापत्र में भारत के दृष्टिकोण को शामिल करना इसका प्रमाण है। चुनौतियाँ चाहे जो भी हों, भारत अब केवल एक भागीदार ही नहीं, बल्कि एससीओ की दिशा का एक प्रमुख निर्माता भी है।

कड़ी निगरानी में हुई परीक्षा, इन जिलों में पकड़े गए सॉल्वर; रविवार को 48 जिलों में होगा एग्जाम

लखनऊ। प्रदेश में समूह ग की भर्तियों के लिए अर्हकारी प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) में पहले दिन शनिवार की लिखित परीक्षा में निर्धारित अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते दस दूसरे लोग (सॉल्वर) पकड़े गए। वहीं पहले दिन की परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 76 फीसदी रही है। परीक्षा को लेकर अधीनस्थ सेवा चयन आयोग व जिला प्रशासन की ओर से कड़ी निगरानी भी रखी गई।

आयोग की ओर से परीक्षा में अनधिकृत रूप से शामिल होने वाले सॉल्वर की पहचान के लिए एआई आधारित फेश रिकॉग्निशन सॉफ़्टवेयर का प्रयोग किया। इसके माध्यम से पहली पाली में 07 और दूसरी पाली में 03 लोग वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़े गये। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गई है। पहले दिन परीक्षा प्रदेश के 48 जिलों के 1479 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में सुबह 10 से 12 और दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक आयोजित की गई।

इसके लिए प्रति पाली 6,32,999 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। पहली पाली में पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4,80,918 अभ्यर्थी (75.97 फीसदी) उपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में पंजीकृत 6,32,999 अभ्यर्थियों में से 4,83,884 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों में कुल पंजीकृत 12,65,998 अभ्यर्थियों में से 9,64,802 अभ्यर्थी (76.21 फीसदी) उपस्थित व 3,01,196 अभ्यर्थी (23.79 फीसदी) अनुपस्थित रहे।

13 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे

परीक्षा के बेहतर संचालन के लिए आयोग द्वारा 2,958 सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट,1,64,615 कार्मिक लगाए गए थे। वहीं परीक्षा पर आयोग मुख्यालय व सभी जिलों के जिला मुख्यालयों पर कमांड व लाइव सीसीटीवी कंट्रोल रूम स्थापित किये गये थे। इसी क्रम में रविवार को भी परीक्षा दो पालियों में प्रदेश के 48 जिलों में आयोजित की जाएगी। इसमें लगभग 13 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि अभ्यर्थियों के सुगम आवागमन के लिए बड़ी संख्या में अतिरिक्त ट्रेन व बसों का संचालन किया गया है।

इन जिलों में पकड़े गए सॉल्वर

लखनऊ, प्रयागराज, सहारनपुर, गौतमबुद्ध नगर, झांसी, मथुरा, अलीगढ़, कानपुर नगर, गाजियाबाद व संत रविदास नगर

शाहजहांपुर में 06 परीक्षा केन्द्रों के बाढ़ ग्रस्त होने पर बनाए नए परीक्षा केन्द्र

01-माधव राव सिंधिया पब्लिक स्कूल, न्यू जिला अस्पताल के पीछे नवादा इन्देपुर के स्थान पर संजय सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज निकट गन्ना शोध परिषद, रेती रोड को नया परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

02-श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ, निकट बरेली रोड के स्थान पर रॉयन इन्टरनेशनल स्कूल, सीतापुर-बरेली बाईपास रोड को नया परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

03-स्वामी धर्मानन्द सरस्वती इंटर कॉलेज, मुमुक्षु आश्रम के स्थान पर डॉ. सुदामा प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज, कचहरी रोड को नया परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

04-स्वामी सुकदेवानन्द महाविद्यालय, मुमुक्षु आश्रम के स्थान पर केन्द्रीय विद्यालय-1 कैंटोमेंट को नया परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

आकाश आनंद के ससुर ने बसपा प्रमुख मायावती से माफी मांगी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ ने शनिवार को पार्टी सुप्रीमो मायावती से सोशल मीडिया पर माफी मांग ली। आकाश आनंद, मायावती के भतीजे हैं।

बसपा के दिग्गज नेताओं में शुमार अशोक सिद्धार्थ को इस साल 12 जनवरी को मायावती ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी।

सिद्धार्थ ने स्वीकार किया कि पार्टी में रहते हुए उनसे कुछ गलतियां हुईं, जिनका उन्हें गहरा अफसोस है। सिद्धार्थ ने पोस्ट में कहा, 'वह बहनजी के चरणों में नतमस्तक होकर क्षमा याचना करते हैं। कार्यकाल के दौरान जाने-अनजाने या गलत लोगों के बहकावे में आकर उनसे गलतियां हुईं, जिसके लिए वे दिल से माफी मांगते हैं।' उन्होंने कहा, 'जाने-अनजाने में और गलत लोगो के बहकावे में आकर जो भी गलतियां हुई हैं, उसके लिये मैं आदरणीय बहन जी से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं।'

पूर्व सांसद ने आश्वासन दिया कि भविष्य में वह कभी भी पार्टी अनुशासन से बाहर जाकर काम नहीं करेंगे और केवल मायावती के मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशों में रहकर ही सक्रिय राजनीति करेंगे। सिद्धार्थ ने यह भी स्पष्ट किया कि वह रिश्तेदारी या निजी संबंधों का कोई नाजायज फायदा नहीं उठाएंगे।

मायावती ने 29 अगस्त को आकाश आनंद को पदोन्नत कर पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया था। इससे पहले आकाश आनंद पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक की भूमिका निभा रहे थे।

दो वकीलों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया

प्रयागराज। दो वकीलों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने इस साल 25 मार्च को हुई बैठक में अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। मेघवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, भारत के प्रधान न्यायाधीश से परामर्श के बाद, अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है।' मौजूदा समय में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों की संख्या 160 है, जबकि वहां 84 न्यायाधीश तैनात हैं। राय और शुक्ला की नियुक्ति से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 86 हो जाएगी।

सीएम बोलेः हर तीसरे महीने होगी बस चालकों की फिटनेस जांच, ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सृजित होंगे तीन लाख रोजगार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बस चालकों की हर तीसरे माह फिटनेस जांच अनिवार्य होना चाहिए। विशेष रूप से आंखों की जांच जरूरी है ताकि दृष्टि दोष के कारण दुर्घटनाएं न हों। वह शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरुक करें। क्योंकि हर साल सड़क हादसों में कोरोना से ज्यादा मौत होती है। इनमें अधिकतर युवा होते हैं, जिससे परिवार उजड़ जाते हैं। सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा परिवहन विभाग की जिम्मेदारी है। यदि किसी यात्री की जान बचती है तो यह विभाग की सकारात्मक छवि बनाता है, लेकिन लापरवाही से जान जाने पर न केवल विभाग की बदनामी होती है, बल्कि आर्थिक क्षति भी होती है।

इसके लिए आईआईटी खड़गपुर जैसी संस्थाओं की तकनीकी मदद, पुलिस और अन्य विभागों का समन्वय, साथ ही स्कूलों में ट्रैफिक नियमों पर शिक्षा जरूरी है। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट, नशे में ड्राइविंग, ओवरस्पीडिंग जैसी स्थितियों पर कड़े नियम लागू करने और लोगों को जागरुक करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा विकसित एक ऐप के जरिए अत्यधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों की पहचान की गई, जिससे कई स्थानों पर हादसों की संख्या घटकर महीने में 18 से घटकर 3 तक हो गई।

पर्यावरण प्रदूषण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढावा देने पर जोर दिया। कहा कि परिवहन और नगर विकास विभाग गांव-गांव कनेक्टिविटी और बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के जरिए न सिर्फ प्रदूषण कम कर सकते हैं, बल्कि 3 लाख तक नए रोजगार भी सृजित कर सकते हैं। इस अवसर पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक जय देवी, अमरेश कुमार, ओपी श्रीवास्तव, योगेश शुक्ल, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, मुकेश शर्मा, परिवहन विभाग के प्रमुख अमित गुप्ता, परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह, परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर आदि मौजूद रहे।

परिवहन विभाग ने किया सराहनीय कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि परिवहन विभाग विकसित भारत की परिकल्पना का सारथी बनेगा। निगम के पास देश में सबसे बड़ा बेड़ा है। कोरोना काल में परिवहन विभाग ने उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि बिहार, झारखंड और उत्तराखंड तक प्रवासियों को सुरक्षित पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करते हुए गंतव्य तक पहुंचाया। रक्षाबंधन पर तीन दिनों तक बहनों को मुफ्त बस यात्रा उपलब्ध कराई है। ये प्रयास सराहनीय है।

समय की गति से दो कदम आगे चले

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, समाज या राष्ट्र यदि समय की गति से पीछे जाता है तो हमेशा के लिए पीछे रह जाता है। लेकिन यदि वह समय की गति से दो कदम आगे चलने की क्षमता रखता है, तो विजयश्री का ध्वज फहराता है। परिवहन विभाग से अल्पकालिक (3 वर्ष), मध्यम अवधि (10 वर्ष) और दीर्घकालिक (22 वर्ष) योजनाएं तैयार करे। फाइल को लटकाने की आदत बंद करनी पड़ेगी।

आधुनिक बस स्टेशन, इलेक्ट्रिक बसें और स्क्रैपिंग नीति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि परिवहन विभाग को समय की मांग के अनुसार अपनी सेवाओं को आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। चार्जिंग स्टेशनों के लिए निजी क्षेत्र को जोड़ा जा सकता है। पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग को बढ़ावा देना होगा । ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स को और सुदृढ़ किया जाए और विभाग जवाबदेही के साथ काम करे।

यूपी टी-20 फाइनलः मैच देखने पहुंचे सीएम योगी, बोले- प्रदेश में बन रहे हैं कई विश्वस्तरीय क्रिकेट स्टेडियम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रीमियर टी20 लीग का भव्य समापन शनिवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर फाइनल मैच का टॉस उछालकर शुभारंभ किया। काशी रुद्रास और मेरठ मावेरिक्स के बीच हुए इस रोमांचक मुकाबले ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया। सीएम योगी के आगमन पर दर्शकों का उत्साह चरम पर दिखा। सीएम योगी ने बीसीसीआई वरिष्ठ पदाधिकारियों, सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ मैच का लुत्फ भी उठाया। सीएम योगी ने कहा कि यूपी टी-20 लीग युवाओं के लिए बेहतर है। सरकार सूबे में कई क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण करा रही है।

ीएम योगी ने मैदान में पहुंचकर दोनों टीमों के कप्तानों और खिलाड़ियों से मुलाकात कर परिचय प्राप्त किया और ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। उन्होंने स्टेडियम में तैयारियों में जुटे कर्मचारियों से भी बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन किया। सीएम योगी ने रोबोट चुलबुल से सिक्का लेकर फाइनल मैच का टॉस कराया और घंटा बजाकर मैच के शुभारंभ किया।

यूपी में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हो रहे हैं व्यापक कार्य- मुख्यमंत्री

बीसीसीआई उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने सीएम का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी और गोरखपुर में भी स्टेडियम निर्माणाधीन हैं, जबकि मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों के स्टेडियम बनाए जा रहे हैं।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की खेल नीति की सराहना करते हुए कहा कि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से बन रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम इस वर्ष के अंत तक पूरा होगा, जिसमें 70ः कार्य पूर्ण हो चुका है। अयोध्या हर गांव में खेल मैदान, हर विकासखंड में मिनी स्टेडियम और हर जनपद में स्टेडियम बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। पुराने खिलाड़ियों को कोच के रूप में नियुक्त कर उभरते खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की योजना भी लागू की जा रही है। उन्होंने बीसीसीआई से अनुरोध किया कि 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश को कम से कम दो टीमें दी जाएं, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलें। सीएम योगी ने खिलाड़ियों और दर्शकों के उत्साह की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए उत्तर प्रदेश को खेलों में अग्रणी बनाने का संकल्प दोहराया।

इस मौक़े पर बीसीसीआई के वरिष्ठ पदाधिकारी, यूपीसीए के वरिष्ठ पदाधिकारी, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष व राज्य सभा सांसद राजीव शुक्ला, यूपी टी 20 लीग के चेयरमैन डॉ. डीएम चौहान, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत कई गणमान्य भी मौजूद रहे।

केजीएमयू में डॉक्टरों की भर्ती के बीच विदाई का सिलसिला भी जारी, चार और चिकित्सकों ने किया रिजाइन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित केजीएमयू में डॉक्टरों की भर्ती के बीच विदाई का सिलसिला भी जारी है। यहां से चार डॉक्टरों ने इस्तीफा दे दिया है। इन डॉक्टर ने नोटिस अवधि पूरी करने के बजाय तीन महीने का वेतन जमा कर दिया है। संस्थान ने इनको रिलीव भी कर दिया है।

केजीएमयू छोड़ने वाले डॉक्टरों में पहला नाम मनोरोग विभाग के डॉ. मनु अग्रवाल का है। इनके साथ ही एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. तन्वी भार्गव, प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ. अशोक कुमार गुप्ता और कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. करण कौशिक शामिल हैं।

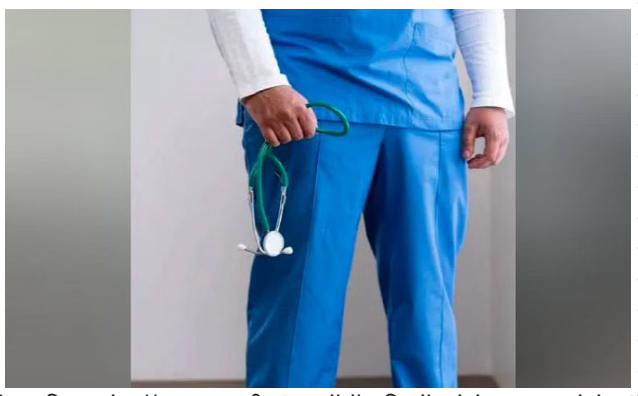

डॉ. तन्वी भार्गव का चयन संजय गांधी पीजीआई और डॉ. अशोक कुमार गुप्ता का चयन डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में हो गया है। वहीं, डॉ. मनु अग्रवाल और डॉ. करण कौशिक के अन्य संस्थान जाने की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

तीन और डॉक्टर दे चुके हैं इस्तीफा

इन चार डॉक्टरों से पहले तीन और डॉक्टर इस्तीफा दे चुके हैं। इनमें पूर्व प्रॉक्टर प्रो. क्षितिज श्रीवास्तव, मनोरोग विशेषज्ञ प्रो. आदर्श त्रिपाठी और रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के डॉ. अजय कुमार वर्मा शामिल हैं।

निजी अस्पतालों में कई गुना ज्यादा वेतन

सरकारी संस्थानों में असिस्टेंट प्रोफेसर के वेतन की शुरुआत करीब सवा लाख रुपये मासिक से होती है। प्रोफेसर के स्तर पर यह वेतन तीन लाख रुपये पहुंच जाता है। ये डॉक्टर जब निजी अस्पताल जाते हैं तो वहां उन्हें इससे कई गुना ज्यादा वेतन मिल जाता है। कई बार यह वेतन 10 लाख रुपये मासिक तक हो जाता है। इसके अलावा इन्सेन्टिव अलग से मिलता है। सरकारी अस्पतालों से पलायन की यह भी एक वजह होती है।

विशेषज्ञता के बावजूद समान वेतन भी पलायन की वजह

सरकारी चिकित्सा संस्थानों से डॉक्टरों के पलायन के पीछे कॉरपोरेट अस्पतान्से मिलने वाला तगड़ा पैकेज ही अकेली वजह नहीं है। सरकारी संस्थानों में डॉक्टर की कुशलता और विशेषज्ञता के बजाय सभी को एक समान वेतन मिलता है। एनॉटमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री जैसे नॉन क्लीनिकल विभाग के शिक्षकों को भी सुपर स्पेशियलिस्ट डॉक्टरों के समान वेतन और सुविधाएं मिलती हैं, जबकि सुपर स्पेशियलिस्ट डॉक्टरों को डिग्री हासिल करने में कई अतिरिक्त साल लगाने पड़ते हैं और उनके काम करने के घंटे भी अपेक्षाकृत ज्यादा होते हैं।

शासनादेश के अनुसार, सभी एमबीबीएस डॉक्टरों को उनके मूल वेतन के निर्धारित प्रतिशत का अतिरिक्त भुगतान नॉन प्रैक्टिसिंग अलाउंस के रूप में किया जाता है। इसका मकसद उन्हें निजी प्रैक्टिस से रोकना है। यह सभी नॉन क्लीनिकल विभागों के डॉक्टरों को भी मिलता है।

रामस्वरूप विश्वविद्यालय पर गरजे बुलडोजर, एनिमल हाउस हुआ जमींदोज; एडीएम-एएसपी रहे मौजूद

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में एलएलबी छात्रों और एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को नाप के बाद अवैध कब्जे वाली बिल्डिंग पर बुलडोजर गरजने लगा। देखते ही देखते दीवारें ढहने लगीं। इस दौरान यूनिवर्सिटी परिसर में सन्नाटा है, मगर इनके कर्ताधर्ता और अधिकारियों के मोबाइल फोन घनघनाते रहे।

देवा-चिनहट रोड स्थित श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी के कब्जे वाली सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटने लगा है। एडीएम न्यायिक राजकुमार सिंह यादव और एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी की अगुवाई में शाम को तीन बुलडोजर इस कार्य में लगा दिए गए। उन्होंने अवैध निर्माण ढहाना शुरू किया। देखते ही देखते कॉलेज के फार्मेसी विभाग का एनिमल हाउस का भवन जमींदोज हो गया।

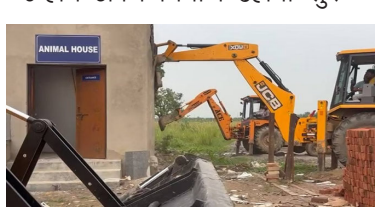

तहसीलदार नवाबगंज की अदालत ने 25 अगस्त को फैसला सुनाते हुए यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर 27 लाख 96 हजार रुपये का जुर्माना ठोंका था। साथ ही 30 दिन में जमीन खाली करने का आदेश दिया था। बताया जा रहा है कि करीब छह बीघा जमीन सरकारी रिकॉर्ड में ऊसर-बंजर दर्ज है। उस पर विश्वविद्यालय का कब्जा है। प्रशासन अब इस जमीन को खाली कराने की तैयारी में जुटा है।

शनिवार शाम करीब 4:45 बजे सरकारी जमीन पर बने एनिमल हाउस को बुलडोजर द्वारा हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसे लेकर शनिवार सुबह 11:00 बजे से ही प्रशासनिक तंत्र ने जमीन की पैमाइश शुरू की थी। अब कार्रवाई सामने है।

लखनऊ, गाजियाबाद, अयोध्या सहित इन शहरों के बस स्टेशन होंगे आधुनिक, पीपीपी मॉडल से आया 2700 करोड़ का निवेश

लखनऊ। गोमतीनगर सहित प्रदेश के छह बस अड्डों को ओमेक्स ग्रुप का वेंचर बीटुगेदर पीपीपी मॉडल पर अत्याधुनिक बनाएगा। शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओमेक्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक मोहित गोयल की उपस्थिति में चार का शिलान्यास किया।

एमडी मोहित गोयल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाई देने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेशभर में आधुनिक बस अड्डे बनाए जा रहे हैं। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किए जाने वाले छह बस अड्डों में चार का शिलान्यास किया गया। इनमें लखनऊ में विभूतिखंड बस अड्डा, गाजियाबाद (ओल्ड), प्रयागराज (सिविल लाइंस) और अयोध्या धाम के बस अड्डे शामिल हैं।

इसके अलावा बीटुगेदर अमौसी बस अड्डे व कौशांबी (गाजियाबाद) बस अड्डे का भी विकास करेगा। लगभग 2,700 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाले ये सभी छह बस अड्डे यात्री सुविधा व वाणिज्यिक गतिविधियों से युक्त होंगे। कार्यक्रम में बीटुगेदर के प्रेसिडेंट व बिजनेस हेड सुनील कुमार सोलंकी सहित परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर, प्रमुख सचिव परिवहन अमित गुप्ता उपस्थित रहे।

चार साल में तैयार होगा गोमतीनगर बस अड्डा, मिलेंगी ये सुविधाएं

गोमतीनगर के विभूतिखंड में बस अड्डे का आधुनिकीकरण चार साल में पूरा होगा। यहां यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। एमडी मोहित गोयल ने बताया कि गोमतीनगर सहित सभी बस अड्डे पर ऑटोमेटेड टिकटिंग, डिजिटल शेड्यूल बोर्ड, एसी लाउंज, एस्केलेटर, लिफ्ट, स्मार्ट सिक्योरिटी सिस्टम व चार्जिंग स्टेशन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा रिटेल आउटलेट्स, फूड कोर्ट, बैंक्वेट हॉल, स्टूडियो अपार्टमेंट्स आदि भी रहेंगी।

भिवंडी विकास आराखड़ा विवाद पर सियासी हलचल, आज़मी और शिंदे की हुई मुलाक़ात

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निज़ामपूर शहर महानगरपालिका के प्रारूप विकास आराखड़े को लेकर मचा विवाद अब राजनीतिक गलियारों तक पहुंच गया है। आराखड़े में राजीव गांधी चौक से टेमघर मार्ग तक सड़क के दोनों ओर 20-20 फीट चौड़ीकरण के फैसले का विरोध कर रही कल्याण रोड व्यापारी व रहिवासी संघर्ष समिति के आंदोलन को नया मोड़ तब मिला, जब समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आज़मी सीधे राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिले।दो दिन पहले संघर्ष समिति ने पत्रकार परिषद आयोजित कर इस प्रस्ताव का विरोध जताया था। साथ ही राज्य की तमाम राजनीतिक पार्टियों के अध्यक्षों से मदद की गुहार भी लगाई थी। इसके बाद बुधवार रात (4 सितम्बर) अबू आसिम आज़मी ने कल्याण रोड के

मंदिर, मस्जिद, दरगाह, कब्रिस्तान के ट्रस्टी और संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को अपने निवास स्थान कोलाबा बुलाया। उनकी बात सुनने के बाद आज़मी ने तत्काल उपमुख्यमंत्री से संपर्क साधा और अगली सुबह ठाणे स्थित शिंदे निवास पर बैठक तय की। गुरुवार सुबह (5 सितम्बर) अबू आसिम आज़मी खुद कल्याण रोड के प्रतिनिधियों और नगरसेवकों को लेकर शिंदे के ठाणे निवास पहुंचे। वहां समिति की ओर से उपमुख्यमंत्री को नागरिकों की चिंता से अवगत कराया गया। इस दौरान आज़मी ने सीधे तौर पर कहा कि 'जहां सरकार 1700 करोड़ खर्च कर हज़ारों नागरिकों को बेघर और बेरोजगार होने से बचा रही है, वहीं भिवंडी मनपा प्रशासक और कुछ नेता अपने निजी फायदे के लिए विकास आराखड़े के नाम पर कल्याण रोड के नागरिकों को उजाड़ने की साज़िश कर रहे हैं।'प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद उपमुख्यमंत्री शिंदे ने तत्काल नगर विकास सचिव से फ़ोन पर चर्चा की और मनपा के प्रारूप विकास आराखड़े में आवश्यक दुरुस्ती के निर्देश दिए। बैठक के बाद संघर्ष समिति और स्थानीय जिम्मेदारों ने शिंदे और आज़मी का आभार जताया।आज़मी ने भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के सामने भी रखा जाएगा और कल्याण रोड के दुकानदारों, रहिवासियों और धार्मिक स्थलों को किसी भी कीमत पर सुरक्षित रखा जाएगा। इस मौके पर संघर्ष समिति के अध्यक्ष शादाब उस्मानी, महासचिव राम लाहारे, पूर्व नगरसेवक दिन मोहम्मद खान, मेहमूद मोमिन, सुधाकर आंचन, तस्लीम शेख, जब्बार शेख, राकेश पाल, युसूफ शोलापुरकर, नईम खान सहित मंदिर, मस्जिद, दरगाह और आंबेडकर स्मारक के ट्रस्टी समाधान मस्के, शरद राम शेजपाल, ऐनुल शेख, असलम शेख, अनिल मामा, हबीब अंसारी, ईदरीस बाबा, फरीद खान, अनीस शेख और रफीक अंसारी भी मौजूद रहे।

भिवंडी में ईद मिलादुन्नबी पर 1500 बच्चों को ईदी और तोहफ़े वितरित

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सुन्नी जामा मस्जिद कोटरगेट में शुक्रवार की नमाज़ के बाद दोपहर तीन बजे जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की सदारत क़ाज़ी-ए-शहर भिवंडी हज़रत अल्लामा मुफ़्ती मुबश्शिर रज़ा अज़हर मिसबाही ने की। प्रारंभ में मस्जिद के मैनेजिंग ट्रस्टी मोहम्मद नसीम रज़ा ने बच्चों को अच्छे आचरण और दीन से जुड़ी नसीहत दी। इसके बाद मुफ़्ती साहब के हाथों से 1500 बच्चों को ईदी और तोहफ़े बांटे गए।

कार्यक्रम में मौजूद मौलाना राहत हुसैन ने कहा कि पैग़ंबर-ए-इस्लाम बच्चों से अत्यधिक मोहब्बत करते थे और आज उनकी विलादत की खुशी में बच्चों को ईदी और तोहफ़े देना उनकी सुन्नत और मोहब्बत की मिसाल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह नेक अमल क़यामत के दिन शफ़ाअत का ज़रिया बनेगा। इस मौके पर मुफ़्ती मुबश्शिर रज़ा, मौलाना राहत हुसैन, नसीम मोमिन, एजाज़ शेख, हाजी मोजम्मिल, रैयान मोमिन, अब्दुस्समद अंसारी, समीर शेख, निहाल, अली, मुख़्तार समेत कई जिम्मेदारान मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने खुशी जताते हुए मस्जिद के पदाधिकारियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

भिवंडी में मीनाताई बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना शहर जिला शाखा अजय नगर भिवंडी में आज मीनाताई बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिवसेना के शहर जिला प्रमुख मनोज गगे, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी और जिला संघटिका वैशालीताई मेस्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर की गई। उपविभाग प्रमुख दीपक वाघ और राजू पातकर ने महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद मीनाताई ठाकरे की प्रतिमा पर जिला संघटिका वैशालीताई मेस्त्री, उपजिला संघटिका वर्षाताई पाटील और पश्चिम संघटिका दीपालीताई जैन ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाई वनगे, अरुण

आयरे, नितीन काठवले, शांताराम जाधव, पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर, व्यापारी संघटना अध्यक्ष मनीष बंटी गिरी, आलीम शेख, विजय कुंभार, शंकर खामकर, मयूर कदम सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक और पदाधिकारी मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा में मीनाताई ठाकरे के संघर्षमयी जीवन और समाजसेवा को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया।

भिवंडी बारूद के ढेर पर

बालाजी डाइंग कंपनी में लगी भीषण आग ने खोला सच 150 से अधिक अवैध फैक्ट्रियां मौत को न्यौता

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर के घनी आबादी वाले रहिवासी क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हुई भीषण आग ने पूरे शहर को दहला दिया। कामतघर परिसर स्थित बालाजी डाइंग कंपनी की दो मंजिला इमारत देखते-देखते आग की भेंट चढ़ गई। कंपनी में रखा भारी मात्रा का रसायन व केमिकल ड्रमों में धमाके के साथ फटा और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया और आसपास के रहिवासियों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि छुट्टी के दिन मजदूर कंपनी में मौजूद नहीं थे,

वरना मौतों का आंकड़ा सैकड़ों में पहुंच सकता था। भिवंडी मनपा क्षेत्र में ऐसी 150 से अधिक अवैध डाइंग व साइजिंग कंपनियां संचालित हो रही हैं। ये कंपनियां बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के चल रही हैं और केमिकल का जखीरा खुलेआम रहिवासी इलाकों में रखा जाता है। फायर बिग्रेड और पर्यावरण विभाग से एनओसी लेकर आसानी से लाइसेंस तो मिल जाता है, लेकिन सुरक्षा के नाम पर ना कोई इंतजाम है, ना प्रशासन की निगरानी। यही कारण है कि आए दिन डाइंग कंपनियों में आग लगने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। भिवंडी महानगर पालिका की तीन दमकल गाड़ियों ने घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरी इमारत राख हो चुकी थी। आग लगने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अवैध फैक्ट्रियों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई तो अगली आग किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है।

कांग्रेस ने भागवत के तीन बच्चों वाले बयान को लेकर कटाक्ष किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चों से संबंधित हालिया बयान को लेकर शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या' हम दो, हमारे दो' केवल मोदी सरकार पर लागू होगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि कुछ भाजपा शासित राज्यों में दो से अधिक बच्चे होने पर स्थानीय चुनाव लड़ने और सरकारी पद पर नियुक्ति से रोक जैसे कदम उठाए गए हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गुजरात में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, उन्हें स्थानीय निकायों (पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम) के चुनाव लड़ने से अयोग्य करार दिया जाता है। असम में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, वे राज्य सरकार की किसी भी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं हैं।''

उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड में जिन व्यक्तियों के दो से अधिक बच्चे हैं, उन्हें पंचायत चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। रमेश का कहना है, ''आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पांच दिन में 75 वर्ष के होने वाले है। उन्होंने प्रत्येक भारतीय दंपति से हम दो, हमारे तीन की नीति अपनाने की अपील की है।'' उन्होंने तंज कसते हुए सवाल किया कि क्या 'हम दो हमारे दो' केवल मोदी सरकार पर लागू होगा? भागवत ने बीते 28 अगस्त को कहा था कि जनसंख्या को पर्याप्त और नियंत्रण में रखने के लिए प्रत्येक भारतीय परिवार में तीन बच्चे होने चाहिए।

आरएसएस के सौ साल होने पर आयोजित व्याख्यानमाला के अंतिम दिन प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान उन्होंने कहा था, ''किसी सभ्यता को जीवित रखने के लिए, भारत की जनसंख्या नीति 2.1 (औसत बच्चों की संख्या) का सुझाव देती है, जिसका मूलतः अर्थ तीन बच्चे हैं। लेकिन संसाधनों का प्रबंधन भी करना होगा, इसलिए हमें इसे तीन तक सीमित रखना होगा।

तिहाड़ जेल में सांसद इंजीनियर राशिद पर ट्रांसजेंडर कैदियों का हमला, सामने आए चौंकाने वाले आरोप

नई दिल्ली। अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के नेता और सांसद इंजीनियर राशिद हाल ही में तिहाड़ जेल के अंदर हुए एक हमले में बाल-बाल बच गए। पार्टी प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। एआईपी प्रवक्ता के अनुसार, राशिद ने अपने वकील जावेद हुब्बी से जेल के अंदर उत्पीड़न के बारे में बात की। एआईपी ने कहा कि तिहाड़ जेल अधिकारियों ने कश्मीरी कैदियों को परेशान करने के नए तरीके ईजाद किए हैं, जानबूझकर उनके बैरकों में ट्रांसजेंडरों को उनके साथ रखा जाता है, जिन्हें भड़काने, हमला करने और शत्रुतापूर्ण माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सूत्रों ने बताया कि इंजीनियर राशिद पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में ट्रांसजेंडर कैदियों ने कथित तौर पर हमला किया। बारामूला के सांसद शेख अब्दुल रशीद उर्फ ??इंजीनियर रशीद के बेटे ने कहा कि अवामी इत्तेहाद पार्टी ने एक बयान जारी कर बताया है कि इंजीनियर रशीद

आज अपने वकील से मिलने वाले थे, जिस दौरान उन्होंने बताया कि जेल के अंदर उन पर कैसे एक भयानक हमला हुआ। यह न सिर्फ़ मेरे और मेरे परिवार के लिए, बल्कि तिहाड़ जेल में बंद लोगों के लिए भी बेहद चौंकाने वाला है। पार्टी और मैं इस हमले की निंदा करते हैं और प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और जेल अधिकारियों से अनुरोध करते हैं कि वे जेल में बंद कश्मीरी कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि वह न सिर्फ़ एक राजनीतिक कैदी हैं, बल्कि उत्तरी कश्मीर से सांसद भी हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए... जेल में कश्मीरी कैदियों को ट्रांसजेंडर और गैंगस्टरों के साथ रखा जा रहा है, और ये सभी मिलकर कश्मीरियों को परेशान करते हैं, उन्हें ब्लैकमेल करते हैं और जबरन वसूली करते हैं; इनमें से कुछ ट्रांसजेंडर एचआईवी पॉजिटिव भी हैं। इस मामले की जाँच होनी चाहिए। जेल सूत्रों ने किसी भी हत्या की साजिश की खबरों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया, तथा कहा कि राशिद को वर्तमान में जेल नंबर 3 में तीन ट्रांसजेंडर कैदियों के साथ रखा गया है।

झारखंड के गुमला में सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत, एक अन्य घायल

रांची। झारखंड के गुमला जिले में शनिवार को एक पिकअप वैन की चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार घटना सुबह करीब 7:30 बजे भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-23 रांची-गुमला पर नवाटोली नहर के पास हुई। मृतक की पहचान हाटू स्थित एक मदरसे के छात्र फरहान मिरदाहा (12) के रूप में हुई है। भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बेड़ो थाना क्षेत्र अंतर्गत हाटू स्थित एक मदरसे में पढ़ने वाले दो बच्चे सुबह के समय मदरसे से भागकर भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत अपने गांव सुपा जा रहे थे, तभी एक पिकअप वैन ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि फरहान मिरदाहा नामक छात्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि मुर्सिल मिदाहा नाम का छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि घायल छात्र को रांची के जसलोक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद, ग्रामीणों ने मृतक के परिवार के लिए मुआवजे की मांग करते हुए भरनो चौक पर राष्ट्रीय राजमार्ग-23 जाम कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हज़रतबल पर राष्ट्रीय प्रतीक का बवाल! उमर अब्दुल्ला बोले- धार्मिक स्थलों पर सरकारी चिन्ह नहीं लगते

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को पुनर्निर्मित हज़रतबल दरगाह की पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक के इस्तेमाल पर सवाल उठाया और कहा कि उन्होंने इसे कभी किसी धार्मिक स्थल पर इस्तेमाल होते नहीं देखा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकारी प्रतीकों का इस्तेमाल सिर्फ़ सरकारी समारोहों में ही किया जाता है, मस्जिदों, दरगाहों, मंदिरों या गुरुद्वारों जैसे धार्मिक स्थलों पर नहीं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहला सवाल यह है कि क्या प्रतीक को आधारशिला पर उकेरा जाना चाहिए था। मैंने कभी किसी धार्मिक स्थल पर प्रतीक का इस्तेमाल होते नहीं देखा। तो हज़रतबल दरगाह के पत्थर पर प्रतीक चिन्ह लगाने की क्या मजबूरी थी? पत्थर लगाने की क्या ज़रूरत थी? क्या सिर्फ़ काम ही काफ़ी नहीं था? यह घटना उस वायरल वीडियो के बाद हुई है जिसमें भीड़ वक्फ बोर्ड के तहत पुनर्निर्माण और पुनर्विकास के दौर से गुजर रहे इस दरगाह की आधारशिला पर अंकित राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को क्षतिग्रस्त करती दिखाई दे रही थी।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हज़रतबल दरगाह को यह रूप शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने दिया था। क्या उन्होंने कहीं ऐसे पत्थर लगाए थे? लोग उनके काम को याद करते हैं, भले ही उन्होंने अपने लिए एक भी पत्थर नहीं लगाया हो। सरकारी चिन्ह केवल सरकारी स्थानों पर ही इस्तेमाल किए जाते हैं। मस्जिदें, दरगाहें, मंदिर, गुरुद्वारे सरकारी स्थान नहीं हैं; ये धार्मिक स्थल हैं; वहाँ सरकारी चिन्हों का इस्तेमाल नहीं किया जाता,।

हज़रतबल दरगाह श्रीनगर में एक प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल है, जहाँ पैगंबर मोहम्मद के पवित्र अवशेष रखे हैं। शुक्रवार को, भाजपा नेता दरख़्शां अंद्राबी ने असारी शरीफ़ हज़रतबल दरगाह पर एक पत्थर की पट्टिका को तोड़े जाने की कड़ी निंदा की और इस घटना को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। एएनआई से बात करते हुए, अंद्राबी ने कहा, 'यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रीय प्रतीक को कलंकित करना एक आतंकवादी हमला है और हमलावर एक राजनीतिक दल के गुंडे हैं। इन लोगों ने पहले भी कश्मीर को तबाह किया था और अब वे खुलेआम दरगाह शरीफ़ के अंदर घुस आए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि घटनास्थल पर मौजूद एक वक्फ प्रशासक बाल-बाल बच गया। उन्होंने आगे कहा कि भीड़ ने न केवल राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान किया, बल्कि 'दरगाह की गरिमा को भी ठेस पहुँचाई।'

गिरिराज सिंह का हमलाः राहुल ने तेजस्वी को बनाया 'सुपर पप्पू', लालू का सपना तोड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए राजद नेता तेजस्वी यादव के नाम का समर्थन नहीं कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी, जो खुद 'पप्पू' हैं, ने तेजस्वी यादव को 'सुपर पप्पू' बना दिया। लालू यादव का अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का सपना राहुल गांधी ने चकनाचूर कर दिया है। तेजस्वी यादव चमचागिरी करके राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने पर तुले हुए हैं, लेकिन राहुल गांधी ने एक बार भी (मुख्यमंत्री पद के लिए) उनका नाम नहीं लिया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) रिपोर्ट ने दोनों नेताओं को बेनकाब कर दिया है और बिहार में उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को खत्म कर दिया है। गिरिराज सिंह ने

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर बिहार और उसके लोगों का कथित रूप से अपमान करने और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जैसे अन्य नेताओं को 'मतदाता अधिकार यात्रा' में बिहारियों और हिंदुओं का अपमान करने के लिए आमंत्रित करने का आरोप लगाया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित 16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा 1 सितंबर को पटना में संपन्न हुई। यात्रा का मुख्य एजेंडा बिहार में भारत के चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करना और हाल ही में राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों को सही ठहराना था। चूँकि बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में, अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है, इसलिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को बिहार में विकास की कमी को लेकर एनडीए के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर निशाना साधा। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, 'अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ गया है। बिहार का यही हाल है। शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य सेवा की हालत देखिए। प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश के मामले में बिहार सबसे खराब स्थिति में है। किसानों की आय के मामले में बिहार सबसे निचले पायदान पर है। यहाँ न कोई उद्योग है, न कोई व्यवसाय।' तेजस्वी यादव की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राज्य में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

मनोरंजन

होम्बले फिल्म्स ने कंतारा: चैप्टर 1 से दमदार झलक शेयर की

मुंबई: होम्बले फिल्म्स ने अपनी आने वाली फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 से दमदार झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। होम्बले फिल्म्स की सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 इस साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक मानी जा रही है। कंतारा, वर्ष 2022 में प्रदर्शित हुयी थी। यह फिल्म साल की सबसे सफल फिल्म बनने के साथ बॉक्स ऑफिस पर स्लीपर हिट बन गई। अब दर्शक बेसब्री से इसके प्रीक्वल को सिल्वर स्क्रीन पर देखने का इंतज़ार कर रहे हैं।

मेकर्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर कंतारा: चैप्टर 1 की एक झलक शेयर की है, जिसमें ऋषभ शेट्टी का इंटेंस अवतार देखने लायक है। इस पोस्ट के ज़रिए मेकर्स ने फिल्म की रिलीज में बचे सिर्फ 27 दिनों का काउंटडाउन शुरू कर दिया है और साथ ही एक दिलचस्प अपडेट आने की तरफ भी इशारा किया है ,बीते समय की पवित्र गूंज 02 अक्टूबर 2025 को पूरी दुनिया में गूंजेगी।

होम्बले फिल्म्स की कंतारा: चैप्टर 1 सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है।होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने 'कंतारा: चैप्टर 1' के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज़्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं।

यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।यह फिल्म 02 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी।

76 वर्ष के हुये राकेश रोशन! फिल्म कामचोर के सुपरहिट होने के बाद K अक्षर बन गया उनका लकी नंबर

मुंबई: बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार-अभिनेता राकेश रोशन 76 वर्ष के हो गये। राकेश रोशन का जन्म 06 सितम्बर, 1949 को मुंबई मे एक पंजाबी परिवार में हुआ। उनके पिता रोशन लाल नागरथ हिंदी सिनेमा के मशहूर संगीतकार थे, वहीं राकेश रोशन की मां आयरा रोशन बंगाली सिंगर थीं। राकेश रोशन ने 1970 में 'घर-घर की कहानी' से अपने फिल्म करियर की शुरुआत की। नायक के तौर पर उनकी पहली फिल्म 1971 में प्रदर्शित फिल्म 'पराया धन' थी जो सुपरहिट रही।

इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया, लेकिन खास सफल नहीं रहे। अभिनय में अपेक्षित कामयाबी हासिल नहीं कर पाने के बाद उन्होंने 1980 में 'आपके दीवाने' फिल्म के जरिए निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा। इसके

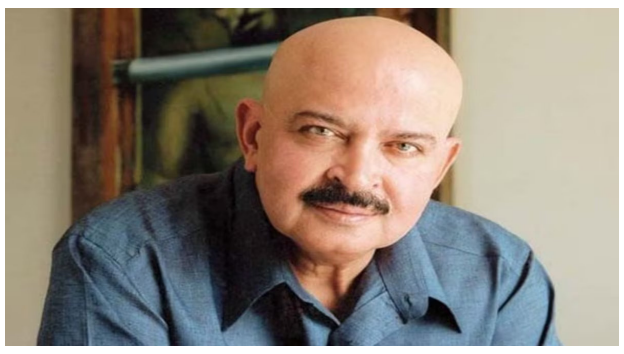

बाद उन्होंने 'कामचोर' (1982) फिल्म बनाई। इन दोनों फिल्मों में उन्होंने अभिनय भी किया।

के. विश्वनाथ के निर्देशन में बनी फिल्म 'कामचोर' के सुपरहिट होने के बाद राकेश रोशन को लगा कि 'के' अक्षर उनके लिए 'लकी' है और उन्होंने अपनी आगामी सभी फिल्मों के नाम 'के' अक्षर से रखने शुरू कर दिए। इस अक्षर से शुरू होने वाली उनकी फिल्में हैं 'खुदगर्ज', 'खून भरी मांग', 'काला बाजार', 'किशन कन्हैया', 'कोयला', 'करण अर्जुन', 'कहो ना प्यार है', 'कोई मिल गया', 'क्रिश', 'क्रेजी4', 'किंग अंकल', 'काइट्स' आदि।

इनमें खुदगर्ज, खून भरी मांग, करण अर्जुन, कहो ना प्यार है, कोई मिल गया, और क्रिश, किश 3 ,काबिल सुपरहिट साबित हुईं। वर्ष 2000 में रिलीज हुई 'कहो ना प्यार है' वह फिल्म थी, जिसके जरिए राकेश रोशन ने अपने पुत्र ऋतिक रोशन को फिल्म इंडस्ट्री में लांच किया। यह फिल्म उनकी सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म से जुड़ा यह तथ्य भी रोचक है कि सर्वाधिक पुरस्कार पाने वाली बॉलीवुड की फिल्म होने पर इसे लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया है।

वर्ष 2003 में प्रदर्शित 'कोई मिल गया' फिल्म उनके निर्माण और निर्देशन में बनी महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है।इसी तरह इस फिल्म का सीक्वल क्रिश और तीसरा संस्करण क्रिश 3 भी उनकी बेहद कामयाब फिल्मों में से एक हैं। जिसने छोटे बच्चों से लेकर बड़े दर्शकों तक का भरपूर मनोरंजन किया था। राकेश रोशन चार बार फिल्म फेयर पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। कहो ना प्यार है और कोई मिल गया के लिए उन्हें निर्माता-निर्देशक का फिल्म फेयर पुरस्कार मिला है।

फिल्म इंडस्ट्री में 35 वर्ष पूरे होने पर उन्हें 'ग्लोबल इंडियन फिल्म अवार्ड्स' की ओर से भी सम्मानित किया गया है। राकेश रोशन की शादी मशहूर निर्माता, निर्देशक जे ओम प्रकाश की बेटी पिंकी हुयी है।राकेश रोशन ने अपने सिने करियर में लगभग 85 फिल्मों में अभिनय किया है। राकेश रौशन ने अपने अबतक के सिने करियर में कई कामयाब फिल्मों का निर्माण और निर्देशन किया है।

रोहित शर्मा की विनम्रता ने जीता दिल, फैन्स को 'मुंबई चा राजा' के नारे लगाने से रोका

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास लेने के बाद, इन दिनों मुंबई में अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में भारत को दो आईसीसी खिताब दिलाने वाले 38 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज़ को हाल ही में मुंबई में गणपति पूजा के दौरान भगवान गणेश का आशीर्वाद लेते देखा गया। मुंबई में गणपति उत्सव का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसमें रोहित हाथ जोड़कर प्रशंसकों से 'मुंबई चा राजा रोहित शर्मा' का नारा न लगाने का अनुरोध करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

रोहित के प्रशंसक उनकी विरासत और स्टारडम का जश्न मनाने के लिए 'मुंबई चा राजा रोहित शर्मा' का नारा लगाते हैं, लेकिन नवीनतम क्लिप में रोहित को उन्हें ऐसा न करने के लिए कहते

हुए देखा जा सकता है। रोहित, जिनके नाम वनडे क्रिकेट में 11,000 से अधिक रन हैं, को आखिरी बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में टीम इंडिया के लिए एक्शन में देखा गया था, जो 9 मार्च, 2025 को दुबई में कीवी टीम के खिलाफ खेला गया था। उस मैच में, रोहित ने मेन इन ब्लू के लिए शीर्ष स्कोर किया और उन्हें 27 वर्षों में तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने में मदद की।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल मुकाबले में अपनी 76 रनों की पारी के लिए, रोहित को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी मिला। रोहित अगली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भारत के लिए खेलते हुए दिखाई देंगे। टीम इंडिया अगले महीने तीन मैचों की एकदिवसीय और पाँच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। एकदिवसीय श्रृंखला 19 अक्टूबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगी और अगले दो 50 ओवर के मैच एडिलेड (23 अक्टूबर) और सिडनी (25 अक्टूबर) में खेले जाएँगे।

'सरकार की तरफ से अब तक कोई पाबंदी नहीं, सभी मुकाबले खेलने होंगे', भारत-पाकिस्तान मैच पर बोले सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया का कहना है कि भारत सरकार की ओर से एशिया कप को लेकर किसी तरह की पाबंदी नहीं है और हमें सभी मैच खेलने होंगे। इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को दुबई में मुकाबला होना है, लेकिन इसे लेकर विवाद चल रहा है। सैकिया ने हाल ही में बनाई गई नीति का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी देश के खिलाफ खेलने से पाबंदी नहीं लगाई है।

भारत और पाकिस्तान के बीच अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद रिश्ते और ज्यादा तनावपूर्ण हो गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में मुकाबला कराने को लेकर कई पूर्व क्रिकेटरों ने आपत्ति जताई थी। अगस्त में खेल मंत्रालय ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के संबंध में नई नीति का अनावरण किया था जिसे पाकिस्तान पर विशेष ध्यान रखकर बनाया गया था।

सिनर और अल्काराज में होगा खिताबी मुकाबला

न्यूयार्क: शीर्ष दो वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यूएस ओपन के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जीत हासिल की और खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के अभियान को केवल दो घंटे से भी कम समय में 6-4, 7-6 (4), 6-2 से जीत के साथ समाप्त कर दिया। 2022 के विजेता अल्काराज ने कहा, 'मैंने शानदार टेनिस खेला और यूएस ओपन में अपने दूसरे फाइनल में पहुंचकर खुश हूँ।मैंने एक शारीरिक मैच खेलने की कोशिश की और मुझे लगता है कि मैंने ऐसा किया।' फाइनल में स्पेनिश खिलाड़ी का सामना इटली की शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर से होगा, जिन्होंने कनाडा की फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। शुक्रवार को ही, कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और न्यूजीलैंड की एरिन रूटलिफ ने तीन साल में दूसरी बार महिला युगल खिताब जीता।

तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने चेक

गणराज्य की शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा और अमेरिकी टेलर टाउनसेंड को एक घंटे 29 मिनट में 6-4, 6-4 से हराकर 2023 में जीता गया अपना पहला खिताब फिर से हासिल किया। मैच के बाद डाब्रोव्स्की ने रूटलिफ से कहा, 'हमने साथ में बहुत कुछ सहा है, और आज एक चैंपियन के रूप में आपके साथ यहां खड़े होने के लिए मैं बेहद आभारी हूँ। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'

28 सितंबर को मुंबई में होगी बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक, अध्यक्ष सहित सभी पदों के लिए चुनाव

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की एजीएम यानी वार्षिक आम बैठक 28 सितंबर को मुंबई में होगी। इस दौरान बोर्ड अध्यक्ष और आईपीएल अध्यक्ष सहित कई पदों के लिए चुनाव होंगे। इस महीने की शुरुआत में पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी के इस्तीफे के बाद से बीसीसीआई अध्यक्ष का पद खाली है, जबकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष अरुण धूमल के छह साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अनिवार्य कूलिंग पीरियड में जाने की संभावना है।

इनके पदों पर बने रहने की संभावना

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अब तक लगभग तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है। इसमें वे दो साल तीन महीने तक संयुक्त सचिव और नौ महीने तक सचिव रह चुके हैं। ऐसे में उनका पद पर बने रहना लगभग तय माना जा रहा है। दरअसल, जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष बनने के बाद इस साल जनवरी में सैकिया को सर्वसम्मति से सचिव चुना गया था। इसके अलावा अन्य पदाधिकारी जिनके पद पर बने रहने की संभावना है, उनमें रोहन गौंस देसाई और प्रभतेज भाटिया के नाम शामिल हैं। देसाई को इस साल मार्च में संयुक्त सचिव चुना गया था और भाटिया को जनवरी में सैकिया के साथ कोषाध्यक्ष बनाया गया था।

2022 में अध्यक्ष बने थे बिन्नी

बिन्नी को अक्तूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने पूर्व

भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की जगह ली थी। गांगुली ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा किया था। तब बिन्नी शीर्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। इससे पहले खबरें आई थी कि बिन्नी सितंबर में होने वाली बीसीसीआई की एजीएम तक पद पर बने रहेंगे, लेकिन जुलाई में 70 वर्ष के होने के कारण उनका कार्यकाल पूरा हो गया।

अध्यक्ष के रूप में बिन्नी का कार्यकाल

बिन्नी के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने दो सीमित ओवर प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट जीते। भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अपने नाम किया था। बिन्नी के अध्यक्ष रहते ऐतिहासिक महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की भी शुरुआत हुई। उनके अध्यक्ष रहते ही घरेलू क्रिकेट को बेहतर प्रोत्साहन मिला। खिलाड़ियों के वेतन में वृद्धि हुई और टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ियों को घरेलू टूर्नामेंटों में खिलवाने के लिए उचित और सख्त कदम उठाए गए।

11 अंक से पिछड़ने के बाद हरियाणा की शानदार वापसी, यूपी योद्धाज को 5 अंक से हराया!

विशाखापत्तनम: मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 16वें मैच में यूपी योद्धाज को 37-32 से हरा दिया। खास बात यह है कि एक समय हरियाणा की टीम 11 अंक से पीछे चल रही थी लेकिन उसने हार नहीं मानी और जबरदस्त वापसी के साथ सीजन की दूसरी जीत दर्ज की। हरियाणा की इस शानदार जीत के हीरो रहे उसके डिफेंडर राहुल अत्री और राहुल सेतपाल। सेतपाल ने 5 जबकि अत्री ने छह अंक बटोरे। इसके अलाव मयंक सैनी (4) और नवीन (6) ने अहम मुकाम पर अंक लेकर हरियाणा की वापसी तय की। यूपी के लिए गगन गौड़ा (13) और हितेश (4) ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वे अपनी टीम को सीजन की पहली हार से नहीं रोक सके।

बेहतरीन फार्म में चल रहे गगन ने दो अंक की रेड के साथ यूपी का खाता

खोला। शिवम पटारे के बोनस के बाद शिवम ने नवीन को आउट कर यूपी को 3-1 से आगे कर दिया। अगली रेड पर भवानी का शिकार हुआ तो यूपी ने पटारे को आउट कर स्कोर 4-2 कर दिया। फिर भवानी चार के डिफेंस में डू ओर डाई रेड पर सेतपाल को आउट कर हरियाणा को सुपर टैकल की स्थिति में लाए और फिर इसी तरह की रेड पर विनय को लपक यूपी ने 6-3 की लीड ले ली।

इसके बाद यूपी ने हरियाणा को आलआउट कर 10-4 की बढ़त बना ली। आलइन के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नवीन 11वें मिनट में पहली रेड पर आए लेकिन यूपी के डिफेंस ने उनके हाथ कुछ नहीं लगने दिया। ब्रेक के बाद गगन ने सुपर रेड के साथ हरियाणा की मुश्किलें बढ़ा दीं। यूपी ने जल्द ही अपनी लीड 17-6 कर ली। साथ ही हरियाणा दूसरी बार आलआउट की कगार पर थे।

जयदीप और सेतपाल ने हालांकि भवानी को डू ओर डाई रेड में लपकते हुए हरियाणा न सिर्फ आलआउट से बचाया बल्कि दो अंक भी दिला दिए। फिर नवीन ने मैच का पहला अंक लेकर स्कोर 10-17 कर दिया। इसके बाद हरियाणा ने लगातार दो अंक लेकर वापसी की राह पकड़ ली। हाफटाइम तक यूपी 17-12 से आगे थे लेकिन मयंक ने सुमित को आउट कर फासला 4 का कर दिया।

फिर नवीन ने साहुल को आउट किया और डिफेंस ने गगन को लपक यूपी को आलआउट कर दिया। अब स्कोर 17-19 हो गया था। हरियाणा ने यूपी की रेडिंग की पोल खोलते हुए जल्द ही स्कोर 19-19, 20-20 औ? फिर 22-22 कर दिया। अगली रेड पर नवीन के सेल्फ आउट होने से यूपी को 1 अंक की लीड मिल गई थी लेकिन रिवाइवल के बाद नवीन ने हितेश और सुमित को आउट कर हरियाणा को पहली बार लीड दिला दी।

फिर हरियाणा ने यूपी को आलआउट की ओर धकेला। गगन के बोनस के बाद नवीन ने शिवम को आउट किया और फिर हरियाणा ने दूसरा आलआउट लेते हुए 30-27 की लीड ले ली। आलइन के बाद सेतपाल और राहुल अत्री ने हाई-5 पूरा किया। हरियाणा को सात अंक की लीड मिल चुकी थी। इस बीच मैट पर आए गुमान ने दो अंक की रेड के साथ फासला पांच कर दिया लेकिन अगली रेड पर वह लपक लिए गए और इसी के साथ हरियाणा ने यह मैच अपनी गिरफ्त में कर लिया।

श्रेयस अय्यर संभालेंगे भारतीय ए टीम की कमान, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए टीम घोषित

नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को भारतीय ए टीम का एलान कर दिया। इस टीम की कमान स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को उपकप्तान बनाया गया है। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारतीय ए टीम दो चार दिवसीय मुकाबले खेलेगी। पहला मैच 16 सितंबर से खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 23 सितंबर से शुरू होगा। दोनों मुकाबले सुबह 9:30 बजे से लखनऊ में खेले जाएंगे।

केएल राहुल और मोहम्मद सिराज भी जुड़ेंगे

पहला मुकाबला समाप्त होने के बाद दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले भारतीय ए स्क्वॉड में केएल राहुल और मोहम्मद भी शामिल होंगे। दोनों पूर्व में चुने गए स्क्वॉड में किन्हीं दो खिलाड़ियों की जगह टीम का हिस्सा बनेंगे। बता दें कि, केएल और सिराज नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप 2025 के लिए चुने गए स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं।

एशिया कप टीम में हुई थी श्रेयस की अनदेखी

श्रेयस अय्यर भी एशिया कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। दाएं हाथ के

बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू हो रही दो चार दिवसीय मैचों की सीरीज में भारतीय ए टीम का नेतृत्व करते देखा जाएगा। एशिया कप टीम में श्रेयस की अनदेखी के बाद से सवाल उठ रहे थे। बेहतर फॉर्म के बावजूद वह टीम में जगह नहीं बना पाए। आईपीएल 2025 में अय्यर ने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 17 पारियों में 604 रन बनाए, उनका औसत 50.33 और स्ट्राइक रेट 175.07 रहा। इस दौरान उनके बल्ले से छह अर्धशतक निकले। पारी को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता भी शानदार रही, जिसका अंदाजा 79.1इ कंट्रोल रेट से लगाया जा सकता है।

तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी

दो चार दिवसीय मुकाबलों के बाद भारतीय ए और ऑस्ट्रेलिया ए की टीमों के बीच कानपुर में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 30 सितंबर को होगा जबकि दूसरा मैच 3 अक्तूबर को खेला जाएगा। वहीं, पांच अक्तूबर को दोनों टीमें सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए आमने-सामने होंगी। इसके लिए बीसीसीआई अलग टीम घोषित करेगी।

दो चार दिवसीय मैचों के लिए भारतीय ए टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बडोनी, नीतीश कुमार रेड्डी, तनुष कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर।

देश से कुल माल लदान में कोई कमी नहीं: सोनोवाल

नई दिल्ली। अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के प्रभाव को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि देश से होने वाले कुल माल लदान में कोई कमी नहीं आई है।

मात्रा की दृष्टि से भारत का लगभग 90 प्रतिशत विदेशी व्यापार तथा मूल्य की दृष्टि से 70 प्रतिशत विदेशी व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। जब वाशिंगटन द्वारा अमेरिका में आयात किए जाने वाले भारतीय सामानों पर लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क के प्रभाव के बारे में टिप्पणी करने के लिए कहा गया, तो सोनोवाल ने पीटीआई- को बताया, ''हमने भारत से कुल माल लदान में कोई कमी नहीं देखी है।''

भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। अमेरिका द्वारा 27

अगस्त को 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अगले दौर की बातचीत के लिए भारत का अपना दौरा स्थगित कर दिया, जो 25 अगस्त से निर्धारित था। छठे दौर की वार्ता के लिए अभी कोई नई तारीख तय नहीं की गई है।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने वीओसी बंदरगाह पर महान स्वतंत्रता सेनानी वीओ चिदंबरनार की 154वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में, मंत्री ने वीओसी बंदरगाह पर हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक परियोजना का उद्घाटन किया, जिससे यह देश में हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने वाला पहला बंदरगाह बन गया।

यह परियोजना 3.87 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की गई है, जिससे पोर्ट कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधा के लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाएगा। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है।

केरल कांग्रेस ने 'बीड़ी-बिहार' पोस्ट पर मानी गलती, सियासी बवाल के बाद मांगी माफी

तिरूवनन्तपुरम। केरल कांग्रेस ने शनिवार को एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट में बिहार को 'बीड़ी' से जोड़ने की कोशिश के बाद एक बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा होने के बाद अपनी गलती स्वीकार की। पार्टी ने बाद में उस पोस्ट को हटा दिया और सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगी। वहीं, कांग्रेस नेता वीटी बलराम ने केरल में पार्टी के सोशल मीडिया विंग के प्रमुख के पद से इस्तीफा देने की पेशकश की है। उन्होंने बीड़ी (तंबाकू के टुकड़े से भरे पतले सिगरेट या मिनी सिगार) के लिए जीएसटी दरों में कमी के बारे में एक पोस्ट में बिहार का कथित रूप से अपमान करने के लिए पार्टी को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ ने स्वीकार किया कि पार्टी की राज्य इकाई के सोशल मीडिया हैंडल पर 'बीड़ी और बिहार' वाला तंज पोस्ट करते समय एक गलती हुई और सावधानी की कमी बरती गई। केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ ने एक साक्षात्कार में इस गलती को स्वीकार करते हुए कहा कि पार्टी की सोशल मीडिया टीम ने प्लेटफ़ॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यह टिप्पणी प्रकाशित करते समय एक गलती की और सावधानी की कमी बरती।

सनी जोसेफ ने एक टीवी चैनल से कहा

कि पोस्ट हटा दी गई है। जिम्मेदार व्यक्तियों - सोशल मीडिया हैंडल के एडमिन और इसे संचालित करने वाले व्यक्ति ने इसे वापस ले लिया है और माफी मांगी है। कांग्रेस इसका समर्थन नहीं करती है। जोसेफ ने कहा कि इस मामले पर पूर्व विधायक वीटी बलराम के साथ चर्चा की गई, जो केपीसीसी के डिजिटल मीडिया सेल के प्रभारी हैं। बिहार में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आमने-सामने आ गई है। इस पोस्ट में कथित तौर पर कांग्रेस की केरल इकाई ने बीड़ी पर जीएसटी दरों में कटौती की आलोचना करते हुए बिहार के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी।

इस पोस्ट पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा ने कड़ी निंदा की, जिसके बाद इसे हटा दिया गया। हटा दिए गए इस पोस्ट में सिगार, सिगरेट और तंबाकू पर प्रस्तावित जीएसटी को मौजूदा 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने और बीड़ी पर जीएसटी में कटौती का एक चार्ट दिखाया गया था और टिप्पणी की गई थी, ''बीड़ी और बिहार 'बी' से शुरू होते हैं, जिसे पाप नहीं माना जा सकता।'' उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'एक्स' पर 'स्क्रीनशॉट' साझा करते हुए कहा, ''पहले हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की माता जी का अपमान और अब पूरे बिहार का अपमान-यही है कांग्रेस का असली चरित्र, जो बार-बार देश के सामने उजागर हो रहा है।''

उनका इशारा पिछले सप्ताह राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में प्रधानमंत्री और उनकी मां को लेकर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई अभद्र की ओर था। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने अपने बयान में आरोप लगाया, 'कांग्रेस और राजद बिहारी अस्मिता पर हमला कर रहे हैं और राहुल गांधी तथा तेजस्वी यादव इसके सूत्रधार हैं। हालांकि, बिहार की जनता धैर्य और संवैधानिक मानदंडों में विश्वास रखने वाली है। वे उचित समय पर इन दलों को सबक सिखाएंगे।'

पीएम मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों से की बात, यूक्रेन समेत वैश्विक शांति पर मंथन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत की और भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों तथा यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र अंत पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मोदी ने कहा कि उन्होंने दोनों पक्षों के साथ यूक्रेन में चल रहे युद्ध सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, संघर्ष के शीघ्र समाधान के महत्व को रेखांकित किया तथा शांति और कूटनीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

वार्ता को बहुत अच्छा बताते हुए मोदी ने कहा कि नेताओं ने प्रमुख क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और रक्षा और अंतरिक्ष से लेकर जलवायु कार्रवाई और प्रौद्योगिकी तक सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का आकलन किया। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, 'राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और उसका सकारात्मक मूल्यांकन किया।'

उन्होंने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। पिछले महीने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ वार्ता के दौरान उपस्थित यूरोपीय नेताओं में मैक्रों भी शामिल थे। मोदी-मैक्रों की यह वार्ता फ्रांसीसी राष्ट्रपति द्वारा गुरुवार को पेरिस शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में 'आश्वासन बल' तैनात करने की योजना की घोषणा के दो दिन बाद हुई।

फ्रांस 24 के अनुसार, मैक्रों द्वारा आयोजित पेरिस शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने भाग लिया, जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर सहित कई नेताओं ने दूरस्थ रूप से इसमें भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने फरवरी 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन के निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद दिया और कहा कि वह भारत में फ्रांसीसी राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। दोनों नेताओं ने वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए संपर्क में बने रहने तथा मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

पटना डीएम ने आईएसबीटी मेट्रो स्टेशन से अतिक्रमण हटाने का दिया निर्देश

पटना। पटना के जिला पदाधिकारी त्यागराजन एस.एम. ने शनिवार को अपनी टीम के साथ पटना मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर विकास एवं आवास विभाग की संयुक्त सचिव सह पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की अपर प्रबंध निदेशक अभिलाषा शर्मा भी मौजूद थी। निरीक्षण का प्रारंभ पटना जीरो माइल मेट्रो स्टेशन से हुआ, जहां पर पार्किंग एरिया और यात्री सुविधाओं का दोनों पदाधिकारियों ने अपनी टीम के साथ जायज़ा लिया गया। इसके बाद दल ने आईएसबीटी मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां अतिक्रमण की समस्या एवं एप्रोच रोड की स्थिति पर चर्चा की गई।

इसके उपरांत भूतनाथ मेट्रो स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण और यात्रियों के प्रवेश व निकास से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। अंत में मेट्रो डिपो जाकर रोलिंग स्टॉक एवं संचालन संबंधी तैयारियों की दोनों ने जानकारी प्राप्त ली। निरीक्षण के दौरान पटना के जिलाधिकारी त्यागराजन एस.एम. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्टेशनों पर पर्याप्त और व्यवस्थित पार्किंग स्पेस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने मेट्रो स्टेशन के आसपास के क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने हेतु त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सभी मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों की संख्या बढ़ने पर भीड़ प्रबंधन की ठोस रणनीति अपनाई जाए। त्यागराजन और अभिलाषा शर्मा ने कहा कि उपरोक्त व्यवस्थाओं के पूर्ण होने के बाद पटना मेट्रो से जल्द ही जनता को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाजनक परिवहन विकल्प के रूप में उपलब्ध कराया जा सकेगा। सरकार का लक्ष्य है कि पटना मेट्रो हर यात्री को एक आरामदायक, सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करे।

गुजरात के पावागढ़ मंदिर में भीषण हादसा, रोपवे का तार टूटने से 6 की मौत

पंचमहल। गुजरात के पंचमहल जिले में पावागढ़ पहाड़ी मंदिर में रोपवे के लिए निर्माण सामग्री ले जा रही एक ट्रॉली के टूट जाने से शनिवार को छह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय घटित हुई जब कार्गो रोपवे का केबल तार टूट गया, जिससे ट्रॉली नीचे गिर गई। पंचमहल के डीएसपी हर्ष दुधात ने बताया कि पावागढ़ में रोपवे के लिए निर्माण सामग्री ले जा रही एक ट्रॉली के टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर मौजूद हैं और बचाव एवं राहत अभियान चला रही हैं।

लगभग 800 मीटर की ऊँचाई पर स्थित इस मंदिर तक लगभग 2,000 सीढ़ियाँ चढ़कर या केबल कार के ज़रिए पहुँचा जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण जनता के लिए बनाया गया रोपवे सुबह से ही बंद था। चांपानेर से तीन चरणों में उभरी पावागढ़ पहाड़ी, 1,471 फीट की ऊँचाई पर एक पठार है। इसके शिखर पर देवी काली को समर्पित एक विशाल मंदिर है, जहाँ सालाना लगभग 25 लाख पर्यटक आते हैं।

वहीं, गुजरात के राजकोट जिले में शुक्रवार देर रात एक राजमार्ग पर एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) पलट जाने से इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जसदन तालुका के जंगवाड गांव के पास देर रात करीब डेढ़ बजे हुई, छात्रों का एक समूह दीव जा रहा था। अटकोट पुलिस थाने के निरीक्षक आर एस सकारिया ने बताया कि मृतकों की पहचान नरेश कोडावती (19), मोती हर्षा (17) और अफरीद सैयद (17) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सभी आंध्र प्रदेश से थे।

यूएई के साथ मिलकर भारत ने पलटा खेल

डॉलर Gone, Rupee On, अबू धाबी की तरफ मुड़ी Made in India दवा

नई दिल्ली। जितनी मजबूत दौलत होगी। उतनी ही मजबूत सेहत होगी। यही बात आज भारत और यूएई की साझेदारी पर सटीक बैठ रही है। एक तरफ जहां अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया। दूसरी तरफ भारत और यूनाइटेड अरब अमीरात यानी यूएई ने एक नई पहल शुरू कर दी, जो न सिर्फ हेल्थ सेक्टर को मजबूत करेगी। बल्कि डॉलर की बादशाहत को भी सीधी चुनौती देगी। भारत से अब यूएई को दवाईयां जाएंगी। लेकिन डील डॉलर में नहीं बल्कि भारतीय रुपए और यूएई दिरहम में होगी। ये दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने वाला कदम है। इसका सीधा असर वैश्विक व्यापार पर भी पड़ने वाला है। भारत और यूएई ने फॉर्मा सेक्टर में बड़े स्तर पर ट्रेड बढ़ाने को लेकर बातचीत की है। इसके साथ ही एक लोकल सेटेलमेंट करेंसी सिस्टम यानी रुपए और दिरहम में लेनदेन शुरू करने की। मतलब साफ है कि भारत यूएई व्यापार के लिए अमेरिकी डॉलर की जरूरत कम होगी।

ये पहल दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई ऊंचाई देंगे और लेन देन की लागत घटाएगी। भारत दुनिया का फॉर्मेसी ऑफ द वर्ल्ड कहलाता है। जेनरिक दवाईयां और वैक्सीन सप्लाई इन सबमें भारत की पकड़ बहुत मजबूत है। दूसरी ओर यूएई मिडिल ईस्ट और अफ्रीका के लिए गेटवे है। मतलब कि भारत से अगर दवाईयां यूएई जाती हैं तो वहां से खाड़ी और अफ्रीकी देशों में आसानी से पहुंच सकेंगी। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर फार्मा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी और दोनों पक्षों ने फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा उत्पादों के व्यापार को और सुविधाजनक बनाने के तरीकों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में गोयल ने लिखा कि चर्चा भारतीय फार्मा उद्योग के लिए नए अवसरों की खोज, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और मानकों की पारस्परिक मान्यता पर केंद्रित थी, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करना था।

संयुक्त अरब अमीरात के विदेश व्यापार मंत्री, डॉ. थानी बिन अहमद अल ज़ायौदी के साथ बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए, हितधारकों ने निर्यात को सुव्यवस्थित करने के लिए भारतीय सुविधाओं के नियामक निरीक्षण में तेजी लाने पर चर्चा की। इसके अलावा, उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पारंपरिक चिकित्सा में उभरते अवसरों पर भी विचार साझा किए, जिसमें भारत-यूएई साझेदारी के तहत आयुर्वेदिक उत्पादों पर विशेष जोर दिया गया।

कश्मीर पर फिर मुनीर ने कर दी बड़ी गलती, फंसे 25 करोड़ पाकिस्तानी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद करीब दो महीने पहले जो पाकिस्तान में खौफ पसरा था। वो खौफ जिन्ना के मुल्क में एक बार फिर जिंदा हो गया है। जिंदा भी ऐसा कि इस बार पाकिस्तानियों को अपना नामो निशान मिट जाने का खौफ सता रहा है। पाकिस्तानी खुद शहबाज सरकार को चेतावनी दे रहे हैं कि इस बार भारत से उलझने की गलती मत करना। वरना पाकिस्तान का वजूद मिट जाएगा। वहां की आवाम कहती नजर आ रही है कि एक दफा पाकिस्तान टूट चुका है। वो कहते हैं कि कुछ नहीं होगा, लेकिन इसी गलतफहमी में पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए हैं।

पाकिस्तान को क्यों सता रहा फिर से हमले का डर

इस बात की चर्चा तेज हो चली है कि क्या भारत फिर से ऑपरेशन सिंदूर चलाने जा रहा है। पाकिस्तान को हमले का डर सता रहा है। दरअसल, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का ताजा बयान वहां की आवाम के डर के पीछे का कारण है। अपने बयान में आसिम मुनीर ने फिर से कश्मीर को अपने गले की नस बताते हुए कश्मीर को आजाद कराने की कसम खाई। आसिम मुनीर ने कहा कि भारत जिसे आतंकवाद कहता है वो कश्मीरियों का संघर्ष है। पाकिस्तान कश्मीरियों को हमेशा राजनीतिक राजनयिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखेगा।

मुनीर ने भारत को छेड़ दिया

अब मुनीर बेचारे को क्या पता था कि तैशबाजी में उसका दिया हुआ बयान बैकफायर कर जाएगा और पीएम मोदी के जवाब से एक एक पाकिस्तानी डर जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज की जयंती के शताब्दी समारोह में हिस्सा लेते हुए कहा कि जो हमें छेड़ेगा..., वहां मौजूद लोगों ने जमकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। हालांकि, पीएम मोदी ने इस मुद्दे पर आगे कुछ नहीं कहा। पीएम मोदी के बयान ने 25 करोड़ पाकिस्तानियों को खौफ से भर दिया। पाकिस्तानियों को लग रहा है कि कश्मीर की बात करके आसिम मुनीर बार बार भारत को छेड़ रहे हैं।

बलूचों की मार से पतलून छोड़कर भागी मुनीर की सेना, 6 हजार सैनिकों ने ड्यूटी से किया इनकार, उतर गए टैंक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का वो सूबा जो न केवल पाकिस्तान के लिए बल्कि उसके फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए भी सिरदर्द बना हुआ है। बलूचिस्तान में लगातार पाकिस्तान और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होते आ रहे हैं। लेकिन हाल ही के दिनों में कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहे हैं। उन वीडियोज को बलूचिस्तान के नेता मीर यार बलोच ने भी शेयर किया है। उन्होंने कहा है कि किस तरीके से पाकिस्तानी सेना अपना बोरिया बिस्तर लेकर भाग रहे हैं। रिपब्लिकन ऑफ बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना ने टैंक उतार दिए हैं। बलूचिस्तान फ्रीडम फाइटर्स की दलेरी देख आसिम मुनीर इतना बौखला गए हैं कि उन्होंने पाकिस्तानी सेना को बलूचिस्तान में आजादी की चिंगारी बुझाने के लिए भेज दिया। लेकिन उसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों के साथ जो हुआ उसे देखकर भारत खुश हो जाएगा।

ये तस्वीरें अमेरिका को हिलाकर रख देंगी। अमेरिका इसलिए टेंशन में आ जाएगा क्योंकि आसिम मुनीर हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप को बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का लालच देकर आए हैं। लेकिन ये नहीं बताकर आए कि जिस बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना और चीन तक नहीं टिक पाया। वहां अमेरिका क्या ही कर लेगा। आसिम मुनीर अमेरिका से बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकी संगठन घोषित करवा आए। लेकिन अब इसकी कीमत पाकिस्तान के सैनिकों को चुकानी पड़ रही है। बलूचों ने पाकिस्तानी सैनिकों की ऐसी हालत की है कि वो कपड़े छोड़कर भाग रहे हैं।

बलूच एक्टिविस्ट मीर यार बलोच ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के 6 हजार से ज्यादा सैनिकों ने बलूचिस्तान में ड्यूटी करने से मना कर दिया। ये हजारों सैनिक बलूचिस्तान से पोस्टिंग और ट्रांसफर चाहते हैं। इसे से घबराकर आसिम मुनीर ने बलूचिस्तान की सड़कों पर टैंक उतार दिए हैं। लेकिन इससे बलूचिस्तान में आजादी की जंग और भी ज्यादा भड़क जाएगी। विदेश में रहने वाले एक पाकिस्तानी पत्रकार ताहा सिद्दीकी ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना पर भयंकर हमले शुरू कर दिए हैं। पिछले 9 महीनों में 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक बलूचों के हमलों में मारे गए हैं। हालांकि असली आंकड़ा 500 से ज्यादा बताया जा रहा है। बलूचों के साथ साथ पश्तून भी अब पाकिस्तानी सेना पर हमले कर रहे हैं। कुछ दिन पहले टीटीपी के लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना की गाड़ी को कब्जे में ले लिया। उसके सामने बैठकर चाय पीने लगे।

दरअसल, 1990 के दशक में तेल को लेकर जो जंग मिडिल ईस्ट में शुरू हुई थी वैसी ही जंग इस बार बलूचिस्तान में शुरू हो गई है। लेकिन इस बार लड़ाई तेल की नहीं बल्कि रेयर अर्थ एलिमेंट की है। 20वीं शताब्दी तेल के नाम थी लेकिन कहा जा रहा है कि 21वीं शताब्दी रेयर अर्थ मिनिरल्स के नाम होगी।

दोस्ती का हाथ बढ़ाते ही चीन ने भारत को दे दिया धोखा, पाकिस्तान संग शुरू किया ये काम

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में इस वक्त केवल दो चीजों की चर्चा हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ की और दूसरी चीन के शक्ति प्रदर्शन की। चीन इन दिनों भू राजनीति का केंद्र बन चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात को अनदेखा कर रहे हैं कि चीन कैसे दुनिया में अपना स्थान मजबूत कर रहा है। आज की तारीख में चीन तक भारत पहुंच चुका है। रूस के साथ साझेदारी और पक्की हो चुकी है। अब उत्तर कोरिया की भी एंट्री हो चुकी है। जब ऐसे देश चीन के करीब आ रहे हैं तो ऐसे में अमेरिका के लिए खतरा कम नहीं बड़ा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को ये समझना चाहिए कि जिस वक्त पूरी दुनिया को अफरा तफरी में उलझाने में वो व्यस्त हैं। तब सब चीन के दरवाजे पर पहुंच रहे हैं। दोस्ती की पीठ पर दगाबाजी का खंजर भोंकने का चीन का पुराना इतिहास रहा है। जब जब भारत ने चीन पर भरोसा किया है। उसने भारत को दगा ही दिया है। अब कुछ ऐसी ही खबर चीन से निकलकर सामने आ रही है। भारत चीन के बीच संबंधों की खाई अब कम होती नजर आ रही

थी। लेकिन इसी बीच चीन के सदाबहार मित्र पाकिस्तान के साथ परियोजनाओं की अगली कड़ी की खबर ने भारत के कन खड़े कर दिए हैं।

जिस सीपीईसी प्रोजेक्ट को लेकर बड़े स्तर पर पिछले कुछ समय में पाकिस्तान टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। वो प्रोजेक्ट अब फिर से सांसे भरना शुरू कर चुका है। सीपीईसी प्रोजेक्ट अब फिर एक बार अस्तित्व में आएगा। इस बार ये प्रोजेक्ट सीपीईसी 2.0 के नाम से आ रहा है। अमेरिका को इस बात से टेंशन हो या न हो। लेकिन ये भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। खबर ये है कि पाकिस्तान के साथ चीन सीपीईसी प्रोजेक्ट के पुनर्थान के लिए फिर से काम करने वाला है। जिसे सीपीईसी के 2.0 वर्जन के नाम से जाना जाएगा। इस बार चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर से पांच और कॉरिडोर को जोड़ने का फैसला लिया गया है। जो अपने आप में खतरे की घंटी है।

अमेरिका को ये बात दिखे न दिखे लेकिन भारत को इस बात से बहुत फिक्र होनी चाहिए क्योंकि चीन औ? पाकिस्तान एक दूसरे के करीब आ रहे हैं। वो भी ऐसे वक्त पर जब भारत भी चीन के करीब जा रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया। टैरिफ के तुरंत बाद भारत ने चीन के साथ संबंधों को सुधारने का फैसला किया। भारत अब चीन के करीब जा रहा है। दोनों देश एक दूसरे के साथ व्यापारिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए काम पर लग चुके हैं। लेकिन इन सब के बीच दोनों देशों के संबंधों का सबसे बड़ा कांटा बीआरआई रहा है। बीआरआई से ज्यादा भारत को टेंशन उस प्रोजेक्ट की है जो पाकिस्तान में चीन शुरू कर चुका था। वो प्रोजेक्ट कोई और नहीं बल्कि बीआरआई का ही हिस्सा सीपीईसी प्रोजेक्ट था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)